

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 31, 1986 (ज्येष्ठ 10, 1908)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1986 (JYAISTHA 10, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विविध सूचनाओं द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-110002, दिनांक 31 मार्च 1986

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-सी०ए० (4)/1/85-86--चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 उपधारा (1)(ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान, परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम निर्धारित शुल्क न जमा कराने के कारण उनके प्रागे दी गई तिथि से हटा दिया है --:

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	610	श्री वेनसन नाथन, डेरच ह्याम, 69, माउन्ट कारमेल, हैफा-34744, इज्राइल	1-8-1983

1	2	3	4
2.	1107	श्री गुलफाम एडुलजी, मारावाला, 1791, पाइन स्ट्रीट, 1, सैनफ्रान्सिस्को, कैलीफोर्निया 94109, यू० एस्० ए०,	1-8-1984
3.	2105	श्री प्रानजीवनदास, बलदेवदास पटेल, 82-35 पेड्रीट एवेन्यू, एलम्हर्सट एन० वार्ड०-11373, यू० एम० ए०	1-8-1984
4.	3342	श्री हीराभाई नारानभाई पटेल बिंग 8 मोटेल, 1116, यू० एन० 66; विजिनैस रूट, क्लिन्टन, ओक्लाहोमा, 73601, यू० एस्० ए०	1-8-84

1	2	3	4	1	2	3	4
5.	5109	श्री धर्मलाल उजाम्शी मेहता 100 डिप्लोमेट ड्राइव, मं० 4-0 एम० टी० किस्को, न्यूयार्क-10549 यू० एस० ए०	1-8-84	15.	9745	श्री मुरेन्द्रा दाहियाभाई पटेल, 41-50, 78 स्ट्रीट एपीटी 608, एलमहर्स्ट, एन० वार्ड०-11373, यू० एस० ए०, ।	1-8-84
6.	5874	श्री सन्ती केसाकापरामपिल बेरियन, पी० ओ० बॉक्स 12408, रोसलिन स्टेशन, ग्रालिन्गटन, विरजिनिया-22209-84078	1-8-84	16.	10066	श्री के० एम० जानी, 79, स्टेट, एवेन्यू, एमहर्स्टबर्ग, प्रोंटारियो, कनाडा ।	1-8-83
7.	6117	श्री जयन्तीलाल, बल्लभभाई कपाडिया, 428, एन० भारगुस्टा एवेन्यू ब्रह्माम्ना सी० ए०-91801, यू० एस० ए०	1-8-84	17.	10119	श्री के० राजेन्द्रा प्रसाद, 210, कैथेड ड्राइव, मटावान, एन० जे० 07747, यू० एस० ए०	1-8-84
8.	6130	श्री सुरिन्वर नाथ नन्दा 2858, होलिगटन क्रैस मिसिसीगा प्रोन्टारियो, एल 5के 1ई9 कनाडा ।	1-8-83	18.	10285	श्री सुरेश कुमार चुब, 557, क्वींसटन गार्डन, एस० ई० कालगैरी, एल्बर्टा-टी 2 जे-6 एन 7	1-8-84
9.	6398	श्री के० बी० फिलिप, पी० ओ० बॉक्स 23975 साफत, कुवैती, ।	1-8-82	19.	10458	श्री बैकिंग चन्द्रा दलाल, 1306, 79 स्ट्रीट, नार्थ बेरजन, एन० जे० 07047 यू० एस० ए०	1-8-84
10.	6673	श्री एम० रमेश शास्त्री, मैट्रोपोलिटन ओपेरा, एसोसिएशन, लिकोलन, सैन्टर, न्यूयार्क न्यूयार्क-10023 (212)	1-8-83	20.	10630	श्री एस० एस० पंचाल, 108-53, 62 ड्राइव ए० पी० टी० नं० 8बी, फोरेस्ट हिल्स, एन० वार्ड० 11375, यू० एस० ए०	1-8-83
11.	7771	श्री सुन्दरपी० पंजाबी, 4209, फेयरफैक्स सर्किल, मं० 3, लास वेगस, नेवाडा 89109, यू० ए० ए०	1-8-82	21.	10658	श्री ए० ग्राई० देसाई, 4101, पार्क ड्राइव, कन्टी बलब हिल्स, ग्राई 11 60477, यू० एस० ए०	1-8-84
12.	8510	श्री सैलेश मुल्जीभाई पटेल, जनरल मैनेजर (फाइनान्स) एम को० लिमिटेड, पी० बॉक्स नं० 49759, नैरोबी (किन्या) ।	1-8-84	22.	11241	श्री टी० सी० संकराकुमारास्वामी मैनेजमेंट, एकाउन्टेन्ट, काप्यू टैक्सटाइल्स (जेड) लि०, पी० ओ० बॉक्स 131, काप्यू (जाम्बिया)	1-8-84
13.	9260	श्री बी० सुब्रामोनिया ग्रव्यर, 1185, फेयरवैथर सर्किल, कोनकोर्ड, सी० ए० 94518	1-8-84	23.	11862	श्री डी० एम० राव, ग्राई० डी० एम० म्जुम्बे, मोरोगोरो, तंजानिया,	1-8-83
14.	9647	श्री जयेन्द्रा कान्तलाल गांधी 110-35, 63 एवेन्यू, फोरेस्ट हिल्स, न्यूयार्क 11375	1-8-84	24.	13040.	श्री पार्था घोष, 1617, बारक्ले, किंगडसन, टैक्सस 75081	1-8-83

1	2	3	4	1	2	3	4
25.	13541	श्री आर० सी० बजीर, लोन्डिस क्रैम्टन हाऊस, हार्ड स्ट्रीट, स्टेपाल हर्स्ट, कैंट-हंगलैण्ड,	1-8-83	35.	80548	मिसिज राजेश्वरी पटेल, 3, गैरिसन स्ट्रीट, बैस्टनट हिल, एम० ए० 02167 यू० एस० ए०	1-8-84
26.	14853	श्री एस० एम० तलवालकर, केयर आफ : कोलगेट पामोलिब लि०, पी० ओ० बॉक्स 7158 4 नडोला, जाम्बिया	1-8-83	36.	31045	श्री के० ए० पेघीवाला बीफ एकाउन्टेन्ट, पो० बॉक्स नं० 811, आबू-घाबी, (यू० ए० ई०)	1-8-84
27.	14978	श्री के० एफ० बेगारा, 6508, विल्टन कोर्ट बर्थ, टैक्सस-76133 यू० एस० ए०	1-8-81	37.	32550	मिसिज विभूति विजय भूटा 2033, इंडियाना स्ट्रीट, बैस्ट कोरिया, कैलीफोर्निया 91792 (यू० एस० ए०)	1-8-84
28.	15447	श्री अजीत सिंह दत्ता, 301-एन० व्यूरोगार्ड स्ट्रीट, अपार्टमेंट, 1005, अलैक्जेंड्रीया, यू० एस० ए०	1-8-84	38.	33102	मिसिज कंचन एम० जोशी, 312, सुसान लेन, अपार्ट० ए०, रोबैस्टर, एन०वार्ड 14616 (यू० एस० ए०)	1-8-84
29.	15661	श्री एम० एस० सेट्टी, पी०ओ० बॉक्स नं० 875, दोहा (कतार)।	1-8-83	39.	33233	श्री ए० एम० देशमुख, ई० टी० ए०/13, इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग, पेट्रोलियम डवलपमेंट भोवन, पी०ओ० बॉक्स 81, मुस्काट, ओमान	1-8-84
30.	16577	श्री एस० सी० सचदेवा, पो० ओ० बॉक्स 2245, ग्रोकलैण्ड, कैलीफोर्निया 94614	1-8-83	40.	33565	श्री एन० मुरलीधर, पी०ओ० बॉक्स नं० 874, इकेजा, नाइजीरिया,	1-8-84
31.	17978	श्री के० बी० कोयाल, बीफ फाइनर्स एण्ड एकाउन्ट्स डिवीजन, नेपाल इंडस्ट्रियल एण्ड डवलपमेंट कारपोरेशन, पो० बॉक्स नं० 10, वरवार मार्ग, काठमान्डू, नेपाल	1-8-84	41.	493	श्री डी० एस० त्रिवेदी, 60, सोमरवेल रोड, साउथ, हैरो, मिडलसेक्स, एम० ए० 28टी० टी० (यू० के०)	1-8-84
32.	19024	श्री सी० आर० रविचन्द्रन एकाउन्टेन्ट, व्हीनी मरे एण्ड कं० पोस्ट बॉक्स 140 मनामा (बेहरेन)	1-8-84	110002, दिनांक 1 अप्रैल 1986			
33.	19945	श्री जोहनसन डेविड पी०ओ० बॉक्स नं० 2338 2 साफत कुवैत ।	1-8-84	सं० 3-एन० सी० ए० (5)/1/86-87—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० ए० (1)/16/78-79, दिनांक 29-1-79, 4 सी० ए० (1) 19/79-80 दिनांक 15-3-80, 3-एन० सी० ए० (4) / 2 / 83-84, दिनांक 31-3-84, 3-एन० सी० ए० (4)/10/83-84, दिनांक 31-3-84, 3-सी० ए० (4)/ 2/83-84, दिनांक 31-3-84, 4-सी० ए० (1)/20/77-78 दिनांक 18-2-78, 4-सी० ए० (1)/10/81-82 दिनांक 15-3-82, 4-सी० ए० (1)/10/81-82 दिनांक 15-3-82, 3-सी० ए० (4)/ 13/82-83 दिनांक 15-3-83 और 4-सी० ए० (1)/20/			
34.	20889	श्री के० बी० एस० कुमार केयर आफ इस्टर्न मिचिगन यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी-मिचिगन यू० एस० ए० 48197	1-8-83				

77-78 दिनांक 18-2-78 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसार में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान, परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे की गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	11564	श्री अभय निधिलाल गुप्ता, ए० सी० ए०, केयर आफ मिसिज मंजु गुप्ता, पी०ओ० बोक्स 11243, दुबई, यूनाइटेड अरब इमिराट्स	3-12-85
2.	16489	श्री गजान्त नीलकान्थ ठाकुर ए० सी० ए०, चीफ एकाउन्टेन्ट, गेटको होलिंग, इन्वैस्टमेंट्स, एल० एल० सी०, पो०ओ० बोक्स 84, मुस्कन (सलताने, आफ मोमैन)	16-12-85
3.	70576	श्री बृज मोहनमंगल, ए० सी० ए०, केयर आफ श्री अशोकमंगल, कटवा भवन, एम० आई० रोड, जयपुर-302001	9-1-86
4.	81845	श्री रविन्दर सिंह, ए० सी० ए०, एच० नं० 39, सैक्टर 28ए, चंडीगढ़।	21-11-84
5.	82011	श्री सुभाष चन्द्रा अग्रवाल, ए० सी० ए०, एम-42, कालकाजी, नई दिल्ली-110019	1-1-86
6.	17818	श्री रामा नन्द गुप्ता, ए० सी० ए०, डिप्टी फाइनैन्स मैनेजर, इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि०, पी०बी० नं० 963, सैन्ट्रल पोस्ट आफिस, बगदाव, इराक।	13-1-86

1	2	3	4
7.	14812	श्री रतबीर सिंह अरोड़ा, ए० सी० ए०, 15/1, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002	24-2-86
8.	15162	श्री प्रदीप कुमार बिस्वाम, ए० सी० ए०, 10-डी, निवेदिता इंकलेव, ए-6, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली-110063	17-2-86
9.	31076	श्री मुनिल चोपड़ा, ए० सी० ए०, 213, जोर बाग, नई दिल्ली-110003	4-3-86

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं०-3-एन० सी० ए० (8)/1/86-87—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके आगे की गई तिथि से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्रम संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	83043	श्री नरेन्द्रा कुमार गुप्ता, ए० सी० ए०, 3270, रंजीत नगर, नियर बिबेक सिनेमा, नई दिल्ली-110008	24-1-86
2.	70782	श्री राम कृष्ण हल्दिया, ए० सी० ए०, 114/4, सुगर मिल कालोनी, यमुना नगर-135001 (हरियाणा)	1-4-86
3.	84355	श्री अरुन बंसल, ए० सी० ए०, 6/7, अंसारी रोड, दिल्ली	1-4-86
4.	84527	श्री राजेश कुमार अग्रवाल, ए० सी० ए०, ए-60, लोक विहार, पित्तपुरा, दिल्ली-110034	1-1-86
5.	84609	श्री संजीव अग्रवाल, ए० सी० ए०, 507-बी, सैक्टर 3, आर० के० पुरम, नई दिल्ली-110022	1-4-86

शुद्धि-पत्र

अधिसूचना सं० 3-एन० सी० ए० (8)/2/86-87--
निर्धारित शुल्क जमा न कराने के कारण प्रैक्टिस प्रमाण पत्र
रद्द करने के लिए जारी किए गए अधिसूचना नं० 3-एन० सी०
ए० (8)/3/85-86 दिनांक 15-11-85, जिसमें श्री नारायण
दास जैन (सदस्यता संख्या 14479) 2557, अर्बन इस्टेट,
फेज-1, बुधरी रोड, लुधियाना का नाम क्रमांक 5 पर लिखा गया
था, उसे रद्द माना जाए।

(चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-एन० सी० ए० (8)/3/86-87--रेगुलेशन 10 (1)
की धारा (4) जिसे चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1964
के अधिनियम 10 (2) (बी) के साथ पढ़ा जाये, के अनुसार
एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को कार्य
करने का प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथि से रद्द समझे जायेंगे
क्योंकि उन्होंने उस वर्ष के लिए कार्य प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक
शुल्क का भुगतान उस वर्ष के 31 जुलाई तक नहीं किया था।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	6505	श्री ए० कृष्णामूर्थी, एफ० सी० ए०, 74, रेवेन्यू, प्रोबन्स विल्ले, 978521 (यू० एम० ए०)	1-8-84
2.	11725	श्री धनेन्द्रा कुमार जैन, ए० सी० ए०, 48/1, कोमर्शियल सेन्टर, माल्वा मार्ग, माणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021	1-8-81
3.	13584	श्री सुरेश चन्द्रा गज्जर, ए० सी० ए०, 9-यू० ए०, जवाहर नगर, विल्ली-110007	1-8-83
4.	14708	श्री श्रीधर रामाचन्द्रा, तिलवल्ली, ए० सी० ए०, बी-2/86, मफदरजंग एनकलेव, नई दिल्ली-110029	1-8-83
5.	15765	श्री विनायक शंकर हसोलकर ए० सी० ए० केयरआफ मैज० डी० पी० डिक्लित, जयप्रकाश एसोसिएट्स प्र० लि०, जे० ए० हाउस 63, वसंत लोक, वसन्त विहार, नई दिल्ली-110057	1-8-85

1	2	3	4
6.	16028	श्री कपिल कुमार गुप्ता, एफ० सी० ए०, पी० ओ० बॉक्स 540, विक्टोरिया, माहे, सीचेलिस	1-8-85
7.	16488	श्री राजन कुमार छाबरा, ए० सी० ए०, एन-156, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048	1-8-84
8.	18215	श्री ए० बालासुब्रमनियल, ए० सी० ए०, मेनेजर (आडिट सैकशन), पंजाब नेशनल बैंक, जोनल आफिस, 396-ए, इंडस्ट्रियल एरिया, लूम्बा मैन्सन, लुधियाना-141008	1-8-84
9.	70216	श्री मदन लाल खुसाह, ए० सी० ए०, आर-292 ग्रेटर कैलाश 1 नई दिल्ली-110048	1-8-84
10.	80099	श्री प्रवीन खुराना ए० सी० ए०, मैसर्स एवेरेस्ट बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लि०, अशोक भवन, 6-7 फ्लोर, 93 नेहरू प्लेस नई दिल्ली-110019	1-8-84
11.	80298	श्री एच० पी० एस० मन्चन्वा ए० सी० ए०, जवाहर मल मन्सन, 3 फ्लोर, 3ए/15, आसफ़ अली रोड, नई दिल्ली-110002	1-8-84
12.	80465	श्री विजय कुमार गर्ग, ए० सी० ए०, हाउस नं० 797 सैक्टर 15ए, फरीदाबाद	1-8-84
13.	80838	श्री विजय चोपड़ा, ए० सी० ए०, हाउस नं० 797, सैक्टर 15ए, फरीदाबाद	1-8-85

1	2	3	4	1	2	3	4
14.	81956	श्री परवीन कुमार बंसल ए० सी० ए०, 3420, मोनिंग स्टार डा०, ए० पी० टी० 228, मिसिसौगा, ओन्ट० एल 4टी० 1एक्स 9, कनाडा	1-8-85	23.	82752	श्री एस० गीतांजली राजन, ए० सी० ए०, बी-1/49/1, सफदरजंग एकलेव, नई दिल्ली-110029	1-8-84
15.	82088	श्री राजेश नारायण गुप्ता, ए० सी० ए०, सिक्का मैन्सन, 3बैंक कालोनी, दिल्ली-110092	1-8-84	24.	82774	श्री संजीव पुरी, ए० सी० ए०, कोटेज नं० 25, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली	1-8-85
16.	82189	श्री सतीश कुमार जैन, ए० सी० ए०, बीएस/448, चौक नीम बाला, लुधियाना।	1-8-83	25.	82855	श्री अभीजीत सिंह, ए० सी० ए०, जे-3/46-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027	1-8-85
17.	82286	श्री विरेन्द्र पाल लुखी, ए० सी० ए०, ए० ए० ओ० (एकाउन्ट्स), एल० आई० सी० आफ इंडिया, डिविजनल ऑफिस, जालन्धर	1-8-84	26.	83112	श्री राजीव टन्डन, ए० सी० ए०, डी-361, डिफेंस क.लोनी, नई दिल्ली-110024	1-8-85
18.	82416	श्री अतुल पसारिष्ठा, ए० सी० ए०, बी-27, लाजपत नगर 3, नई दिल्ली-110024	1-8-84	27.	83154	श्री पवन कुमार, ए० सी० ए०, जी-189, जी ब्लॉक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063	1-8-84
19.	82477	श्री अशोक कुमार, ए० सी० ए०, 1669 डी, दखनिराय स्ट्रीट, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002	1-8-85	28.	83157	श्री देविन्दर पाल सिंह, ए० सी० ए० 15, हावकफील्ड रोडज एन० डबल्यू कालगरी, अल्बर्टा, टी 3जी/1जैड 6, कनाडा	1-8-84
20.	82546	श्री सविदा नन्द बंसल, ए० सी० ए०, मसर्स बाबू राम मन मोहन, भद्रा बाजार, परखान स्ट्रीट, सिरसा-125055 (हरियाणा)	1-8-84	29.	83222	श्री विजय जोशी, ए० सी० ए०, एम-287, ग्रेटर कलाश 1, नई दिल्ली-110012	1-8-85
21.	82549	श्री नरेश दयाल माथुर, ए० सी० ए०, 103, बानाश्री दास हस्टेट, दिल्ली-110007	1-8-85	30.	83491	श्री संजय सखुजा, ए० सी० ए०, आर-35, ग्रेटर कलाश 1, नई दिल्ली-110048	1-8-85
22.	82663	श्री मृकेश कुमार गुप्ता, ए० सी० ए०, 71, न्यू कृष्णा नगर, नियर अशोक गली, राम नगर, दिल्ली-110051	1-8-85	31.	83527	श्री हरी कुमार बाली, ए० सी० ए०, ए-97, इन्दर पुरी, नई दिल्ली-110012	1-8-85
				32.	83584	श्री संजोय आनन्द, ए० सी० ए०, डी 1/161, सत्या मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021	1-8-85

1	2	3	4	1	2	3	4
33.	33605	श्री डी० रंगानाथन, ए० सी० ए०, 12बी, पोकेट 1, मयूर विहार, दिल्ली-110091	1-8-85	5.	15335	श्री बी० म० शाह, एफ० सी० ए०, ए-11, राम झरका, एम० बी० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400 058।	29-10-85
34.	83782	श्री विद्याधर मम्तानी, ए० सी० ए०, 5/20, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060	1-8-85	6.	16908	श्री एस० के० गुप्ता, एफ० सी० ए०, 322, अजंती शापिंग सेंटर, एण्ड टेक्स्टाईल्स, आरकोड, सुरत-39 5 002	1-11-85
35.	84024	श्री नरेश टंडन, ए० सी० ए० एन-46, पंचशिला पार्क, नई दिल्ली	1-8-85	7.	34170	श्री एस० एन० दोषी, ए० सी० ए०, 21, डागा चेंबर्स, 2रा मंजला, 11, नारायण धुरु क्रास लेन, बम्बई-400 003।	1-1-86
36.	84201	श्री कंचन सरकार ए० सी० ए० जी-1303 चित्तरंजन पार्क नई दिल्ली-110019	1-8-85				

आर० एल० चोपड़ा, सचिव

बम्बई-400 005, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० 3 डब्ल्यू० सी० ए० (8)/9/85-86- -चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) (3) के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	5549	श्री एस० एम० पाटील, ए० सी० ए०, 705, स्टार्क एक्सचेंज टावरस, अपोलो स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-400 023	1-10-85
2.	12463	श्री के० आर० शेट, एफ० सी० ए०, 416, रेक्स चेंबरस, बालचन्द हिराचन्द मार्ग, बम्बई-38।	1-10-85
3.	13878	श्री डी० जे० शुक्ला, एफ० सी० ए०, 203 क्षामालया 37, न्यू मरीन लार्न्स, बम्बई-400 020।	13-11-85
4.	14440	श्री के० एन० मनजनवाला, ए० सी० ए०, 4-16, राम झरका, एम० बी० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400 058।	29-10-85

दिनांक 29 अप्रैल 1986

सं० नं० 3-डब्ल्यू० सी० ए० (4)/1/86-87- -चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र० संख्या	सदस्य संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	2782	श्री जे० पी० ठक्कर, "कुम-कुम" लोहाना बोर्डिंग के सामने, प्रो० मानेकराव रोड, बडोदरा-390001।	9-11-85
2.	4382	श्री बी० शिवरामकृष्णन, 4, नन्दनवन, को-आप० हार्डसिंग सोसायटी, ओमकार सिनेमा के पीछे, एस० बी० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400 058।	6-11-85
3.	5842	श्री के० के० पार्ई, शार्प एण्ड टनन, बैंक आफ बरोडा बिल्डिंग, बम्बई समाचार मार्ग, बम्बई-400 023।	11-4-86

सं० 3-ई०सी० ए० (4)/2/86-87--चाटर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चाटर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चाटर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर से उनकी अपनी प्रार्थना पर हटा दिया है।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	2864	श्री के० पी० गोलवाला, 800, कंबाला फ्लैट, 42, पे० रोड, बम्बई-400 026।	1-4-86
2.	5475	श्री बी० आर० इंजीनियर, खाराघाट कालोनी, ब्लॉक नं० 20, हुपेन रोड, बम्बई-400 007।	1-4-86
3.	7809	श्री जी० पी० साधवानी, मुलुंड हिल विव को-आप० हाउसिंग सोसायटी, सी-6, ज्योति, 2रा मंजला, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुंड (प) बम्बई-400 080	1-4-86
4.	17464	श्री जे० पी० बिलीमोरिया, किस्मत बिल्डिंग, सासून डाक के सामने, 3रा मंजला, नं० 4, कोलाबा, बम्बई 400 005।	1-4-86

आर० एल० चौपड़ा, सचिव

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च, 1986

चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स

सं० 3-ई० सी० ए० (4)/9/85-86--चाटर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चाटर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चाटर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्य का नाम उसके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	1887	श्री बी० सी० चक्रवर्ती, मैसर्स बी० चक्रवर्ती एण्ड कं०, चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स, 16-बी, विपिन पाल रोड, कलकत्ता-26।	15-2-86

सं० 3-ई०सी० ए० (8)/9/85-86--चाटर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्रम सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	572	श्री एस० बोंस, ए०सी०ए०, 15-3-86 फ्लैट 1005, मिडलटन कोर्ट, 4/2, मिडलटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700071।	
2.	6576	श्री राना एस० जे० बी० सिंह, 1-4-85 ए०सी०ए०, सेक्रेटरी/चीफ फाइनेंस मैनेजर, कोल इंडिया लि०, 10, एन०एस० रोड, कलकत्ता-700001।	
3.	24192	श्री पी० गोपीनाथ, 16-10-85 ए०सी०ए०, एकाउन्टेन्ट्स आफिसर, टिस्को बियरिंग डिवाजन, निमपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, खडगपुर-72301, डिस्ट० मिदनापुर।	
4.	52622	श्री ए०के० बिश्वास, 31-3-86 ए०सी०ए०, 78, पीयर्स रोड, लिलुआ, हावड़ा।	

सं० 3-ई०सी०ए० (5)/15/85-86--इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3-ई०सी०ए० (4)/12/84-85 दिनांक 31-3-1984, के मन्दर्भ में चाटर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 8 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चाटर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्य का नाम पुनः उसके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र० संख्या	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	15083	श्री सुश्रुता कुमार दाम, ए०सी०ए०, 35ए, इंद्रानी पार्क, पी० जी० टोलीगंज, कलकत्ता-700033।	21-3-86

दिनांक 1 अप्रैल 1986

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-ई०सी०ए० (4)/1/86-87-—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 का धारा 20 उपधारा (1) (ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्य का नाम निश्चित शुल्क न जमा कराने के कारण उसके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	1423	श्री पी० चक्रावोर्ती, 269/1, जोधपुर पार्क, कलकत्ता-700 031।	1-8-83

आर० एल० चोपड़ा, सचिव

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1986

सं० 3-एस०सी०ए० (4)/1/86-87-—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से श्री ए० एच० ह्यूबर्ट ओचार्ड एन०सी टागम रोड, कोदार्ईकनाल-624101 तमिलनाडु का नाम उसकी अपनी प्रार्थना पर 1 अप्रैल 1986 से हटा दिया है।

उसकी सदस्यता संख्या 1016 है।

आर० एल० चोपड़ा, सचिव

कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1986

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-सी०सी०ए० (4)/7/85-86-—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम निश्चित शुल्क न जमा कराने के कारण उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	971	श्री रमाकान्त विनायक राय, पंडित, 73, रूप राम नगर कालोती, मानिक बाग रोड इंदौर	1-8-85

1	2	3	4
2.	4079	श्री श्री राम सिंह, डिप्टी चीफ फाइनेंस मैनेजर, एग्रिवा एकाउन्ट्स ऑफिस (ए), मन्दूल कोल फील्डम लि०, पोस्ट अनावाडा, डिस्ट० हजारीबाग (बिहार)	1-8-85
3.	5934	श्री कुपना गोपाल वारगानी, 73 पैम बाग, ओल्ड कालोती, लखनऊ-4	1-8-85
4.	6405	श्री भोला तिथारी फाइनेंसियल कंट्रोलर- बिहार स्टेट को ओपरेटिव माकिटिंग यूनियन लि०, पटना	1-8-85
5.	7030	श्री दैलाश नारायण माथुर, चीफ मैनेजर (आर०आर०बी०एम०), बैक आफ वडोदा जोनल ऑफिस 1 फ्लोर एल०आई०सी० इंवेस्टमेंट बिल्डिंग, 45 हजरतगंज, लखनऊ	1-8-85
6.	8490	श्री सुरेन्द्र कुमार मधुजा लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ओफ इंडिया, जीवन प्रकाश, प्रभात नगर, पोस्ट बॉक्स नं० 69, मेरठ-250 001।	1-8-85
7.	8899	श्री श्याम बहादुर कुंवर, मैनेजर (एकाउन्ट्स), एल०आई०सी० ओफ इंडिया, डिविजनल ऑफिस, 19, एम०जी० रोड इंदौर	1-8-85
8.	9517	श्री सुन्दर कुमार, 70, सतीश पार्क, मोदीनगर	1-8-85
9.	10754	श्री दिनेश प्रसाद श्रीवास्तव फाइनेंसियल एडवाइजर कम चीफ एकाउन्ट्स ऑफिसर, बिहार स्टेट सुगर कॉर्पोरेशन लि०, हरीहर भवन, बोरिंग केनल रोड, पटना	1-8-85
10.	11002	श्री ए०सी० शिवाकुमार स्वामी ब्रांश मैनेजर, विजया बैंक हजरतगंज, लखनऊ	1-8-85

1	2	3	4	1	2	3	4
11. 12380	श्री संतोष कुमार चौधरी	1-8-85		20. 50876	श्री कमल कुमार नियोगी	1-8-85	
	सैक्टर 3/बी, क्वार्टर नं० 365, पी०ओ०बी०एम० निटी, धनबाद।				केयर ओफ इंडियन कोपर कोम्पलक्स डिस्ट० सिवभूम, घाटसिला।		
12. 12658	श्री गुलशन कुमार बुट्टन,	1-8-85		21. 70082	श्री गिरराज प्रसाद सोधानी	1-8-85	
	ब्रांच मैनेजर, सेंट्रल बैंक ओफ इंडिया, जी०टी०बी० नगर, भोपाल।				41, गंगवाल पार्क, मोती झुंगरी रोड, जयपुर-4।		
13. 13056	श्री आत्मा राम बैकरैका,	1-8-85			आर०एल० चोमड़ा, सचिव		
	सी-739, सैक्टर-सी, महानगर लखनऊ।				कर्मचारी राज्य बीमा निगम		
14. 14424	श्री राजेन्द्रा प्रताप खड्गेवाल,	1-8-85			नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986		
	जमुना भवन, 35 इतवार रोड, भोपाल।				सं० एन-15/13/10/1/85-यो० एवं वि० :-कर्म-		
15. 14474	श्री ललित मोहन	1-8-85			चारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनि-		
	डिप्टी डायरेक्टर (आई) कम्पनी ला बोर्ड, 10/499-बी अलेनगंज, कानपुर।				यम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम		
16. 16516	श्री कीरनाथन बालासुब्रामनियम	1-8-85			1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त		
	राधा कृष्णन् डी-80, सैक्टर 3-ए, खेत्री नगर 333 504 डिस्ट० झुनझुनु।				शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-86 ऐसी		
17. 17343	श्री उमेश चन्द्रा अग्रवाल	1-8-85			तारीख निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा		
	स्पेशल एकाउन्ट्स ऑफिसर यू० पी० स्टेट इलक्स्ट्रीसिटी बोर्ड विद्युत कालोनी, गोविन्द नगर, कानपुर।				उड़ीसा कर्मचारी राज्य बीमा (विक्रिमा हितलाभ) नियम,		
18. 18969	श्री गुन्टुरु मुबया मास्त्री	1-8-85			1951 में निर्दिष्ट विक्रिमा हितलाभ उड़ीसा राज्य के		
	मुपरिन्डिन्डेन्ट, यूनियन बैंक आफ इंडिया जोन्स ऑफिस होटल क्लार्कस अवाध् लखनऊ-226001।				निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर		
19. 21009	श्री दामोदर प्रसाद मोदानी	1-8-85			लागू होंगे यानी :-		
	कोस्टिंग डिपार्टमेंट श्रीराम फटिलाइजर्स हाऊस, न्यू शान्ति नगर, रायपुर।				"जिला मयूरभंज के निम्नलिखित राजस्व ग्रामों में आने		
					वाले क्षेत्र--		
					1. बारीपाड़ा के नगरपालिका क्षेत्र के बाहर तथा		
					शहरी क्षेत्र के अन्तर्गत छांवा।		
					2. बारीपाड़ा के नगरपालिका क्षेत्र के बाहर तथा शहरी		
					क्षेत्र के अन्तर्गत हैमचन्द्रपुर।		
					3. बारीपाड़ा के नगरपालिका क्षेत्र सहित बारीपाड़ा।		
					4. पारीपाड़ा के नगरपालिका क्षेत्र बाहर तथा शहरी		
					क्षेत्र के अन्तर्गत बाजय राम चन्द्रपुर और		
					5. वेदनोटी तसील के अन्तर्गत कठपाल।		
					सं० एन-15/13/14/3/86-यो० एवं वि० :-कर्मचारी		
					राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम		
					95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम		
					1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त		
					शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-86 ऐसी		
					तारीख निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा		
					तामिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा (विक्रिमा हितलाभ)		
					नियम 1954 में निर्दिष्ट विक्रिमा हितलाभ तामिलनाडु		
					राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के		
					परिवारों पर लागू होंगे यानी :-		
					नार्थ आरकोट जिले में वेल्थोर		
					तालुक के कखमबाथूर राजस्व ग्राम		
					के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।		
					एम० सुब्बा राव,		
					निदेशक (योजना एवं विकास)		

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1986

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम, 1986।

सं० 8-3/86 रीगल—

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 36 के उपबन्ध (ज) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उक्त उपबन्ध (ज) के अधीन विनियमित समस्त पूर्व विनियमों के प्रतिस्थापन में, इस प्रकार के प्रतिस्थापन से पूर्व किए गए अधिकांश किए जाने हेतु छोड़े गए किसी कार्य के अनिवार्य, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् केन्द्र सरकार की पूर्ण स्वीकृति से निम्न विनियमों का निर्माण करती है, यथा :—

- संक्षिप्त शीर्षक :—इन विनियमों को भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम 1986 कहा जाय।
- प्रारम्भ :— ये तत्काल प्रभावी होंगे।
- परिभाषा :— (क) जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—
 - “अधिनियम” से भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) अभिप्रेत है।
 - “केन्द्रीय परिषद्” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अभिप्रेत है।
 - माध्य संस्था से अधिनियम की धारा-2 की उपधारा-(1) के उपबंध (क) के अधीन यथापरिभाषित अनुमोदित संस्था अभिप्रेत है।
 - “अनुसूची” से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।
- इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों एवं अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में क्रमशः उनका दिया गया है।

4. भारतीय चिकित्सा की शिक्षा के न्यूनतम मानक :—

आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा के लिए भारत में विश्वविद्यालयों, बोर्डों या चिकित्सीय संस्थाओं के द्वारा माध्य चिकित्सीय अर्हताएं प्रदान करने के लिए अपेक्षित भारतीय चिकित्सा की शिक्षा के न्यूनतम मानक अनुसूची 1, अनुसूची 2 एवं अनुसूची 3 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

5. आयुर्वेदाचार्य पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक—आयुर्वेदाचार्य के पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक अनुसूची 1 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

6. सिद्ध मरुथुषा अरिग्नर पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक :—सिद्ध मरुथुषा अरिग्नर के पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक अनुसूची-2 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

7. कामिल-ए-तिब्ब-ओ-जराहत के पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक :—कामिल-ए-तिब्ब-ओ-जराहत के पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक अनुसूची-3 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

राजकुमार जैन
निबंधक

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्

अनुसूची—1

(विनियम 5 देखें)

आयुर्वेदाचार्य पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक

1. उद्देश्य एवं प्रयोजन

“आयुर्वेदीय शिक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों के अनुरूप वैज्ञानिक ज्ञान सहित आयुर्वेद के गहन आधार वाले प्रकाष्ठ पाठ्यक्रम युक्त स्नातक पदना करना होता चाहिए जो योग्य एवं वक्ष अध्यापक, अनुसंधानकर्ता, कार्यचिकित्सक एवं शल्यचिकित्सक होंगे जो देश की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य करने में पूर्णतः सक्षम हों।

2. प्रवेश अर्हता

(1) विज्ञान (भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान) तथा संस्कृत सहित इन्टरमीडिएट/12वीं कक्षा।

जहां इन्टरमीडिएट/12वीं कक्षा (जीव विज्ञान-विज्ञान वर्ग) में वैकल्पिक विषय के रूप में संस्कृत की शिक्षा का प्रावधान और सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं वहां इन्टरमीडिएट/12वीं कक्षा (जीव विज्ञान-विज्ञान वर्ग) के छात्रों को प्रवेश दिया जाये और संस्कृत को मुख्य पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाये।

अथवा

सम्पूर्णतः संस्कृत विश्वविद्यालय की शिक्षा एवं अत्रही सहित उत्तर मध्यमा।

अथवा

राज्य सरकारों/परीक्षा में सश्रद्धा राज्य शिक्षा मंडलों द्वारा माध्य कोई अन्य समकक्ष अर्हता।

(2) तथापि, उत्तर मध्यमा या हायर सेकेंडरी/पी० यू० सी० प्रमुखतः संस्कृत सहित या उसके समकक्ष कोई अन्य परीक्षा के विषय में एक वर्ष की अवधि का प्राग्यायुर्वेद पाठ्यक्रम तथा पूर्वमध्यमा या एम० एम० एम० सी०/मैट्रिक प्रमुखतः संस्कृत सहित या उसके समकक्ष परीक्षा के सम्बन्ध में दो वर्ष की अवधि का प्राग्यायुर्वेद पाठ्यक्रम भी आगे पांच वर्ष की अवधि के लिए जारी रहेगा।

3. प्रवेश के लिए न्यूनतम वर्ष

(अ) प्राग्यायुर्वेद पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 15 वर्ष।

(ब) प्राग्यायुर्वेद पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 16 वर्ष।

(स) मुख्य आयुर्वेद पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 17 वर्ष।

4. पाठ्यक्रम की अवधि

- | | |
|-------------------------------|----------|
| (क) प्राग्यायुर्वेद पाठ्यक्रम | 2/1 वर्ष |
| (ख) मुख्य पाठ्यक्रम | 5 वर्ष |
| (ग) विशिष्टानुप्रवेश | 6 मास |

5. पाठ्यक्रम की सफलतापूर्वक पूर्णता के पश्चात् प्रदान हो जाने वाली उपाधि—आयुर्वेदाचार्य (बकलर आफ आयुर्वेदिक मेडीसिन एण्ड सर्जरी)

6. शिक्षा का माध्यम

संस्कृत, हिन्दी अथवा कोई माध्य क्षेत्रीय भाषा।

7. आयुर्वेद महाविद्यालय में प्रविष्ट किए जाने हेतु छात्रों की न्यूनतम संख्या—वर्तमान समय में एक आयुर्वेद महाविद्यालय में प्रविष्ट किए जाने हेतु छात्रों की न्यूनतम संख्या 20 छात्रों चाहिए।

8. शिक्षण एवं परीक्षा के विषय	शिक्षण के विषय	तृतीय वर्ष	
परीक्षा के विषय	प्रामुख्य पाठ्यक्रम	1. द्रव्यगुण विज्ञान	1. द्रव्यगुण विज्ञान
		2. रसशास्त्र एवं भेषज्यकल्पना	2. रसशास्त्र एवं भेषज्यकल्पना
1. संस्कृत	1. संस्कृत	3. रोगविज्ञान एवं विकृति विज्ञान	3. रोगविज्ञान एवं विकृति विज्ञान
2. प्रारम्भिक पदार्थ विज्ञान	2. प्रारम्भिक पदार्थ विज्ञान	4. अगदतंत्र एवं व्यवहारयुक्त	4. अगदतंत्र एवं व्यवहारयुक्त
3. उद्भिज्जाग प्रत्यग विज्ञान	3. उद्भिज्जाग प्रत्यग विज्ञान		5. प्रसूतितंत्र एवं स्त्रीरोग
4. प्रारम्भिक रसशास्त्र परिचय	4. प्रारम्भिक रसशास्त्र परिचय	चतुर्थ वर्ष	
5. आयुर्वेद इतिहास एवं आयुर्वेद परिचय	5. आयुर्वेद इतिहास एवं आयुर्वेद परिचय	1. चरक संहिता (पूर्वार्ध)	1. चरक संहिता (पूर्वार्ध)
	मुख्य आयुर्वेद पाठ्यक्रम	2. प्रसूतितंत्र एवं स्त्रीरोग	2. प्रसूतितंत्र एवं स्त्रीरोग
प्रथम वर्ष		3. कौमार भृत्य	3. कौमार भृत्य
1. पदार्थ विज्ञान	1. पदार्थ विज्ञान		4. कार्य चिकित्सा
2. अष्टांग संग्रह	2. अष्टांग संग्रह (सूत्रस्थानम्)		5. शल्यतंत्र
			6. शालाक्यतंत्र
3. शरीर रचना विज्ञान	3. शरीर रचना विज्ञान		
4. शरीर क्रिया विज्ञान	4. शरीर क्रिया विज्ञान	पंचम वर्ष	
5. स्वस्थवृत्त	5. स्वस्थवृत्त	1. चरक संहिता (उत्तरार्ध)	1. चरक संहिता (उत्तरार्ध)
		2. कार्य चिकित्सा	2. कार्य चिकित्सा
द्वितीय वर्ष		3. शल्यतंत्र	3. शल्यतंत्र
1. शरीर रचना विज्ञान	1. शरीर रचना विज्ञान	4. शालाक्यतंत्र	4. शालाक्यतंत्र
2. शरीर क्रिया विज्ञान	2. शरीर क्रिया विज्ञान		
3. स्वस्थवृत्त (योग एवं निसर्गोपचार के सम्बद्ध ग्रंथों सहित)	3. स्वस्थवृत्त (योग एवं निसर्गोपचार के सम्बद्ध ग्रंथों सहित)	9. परीक्षा योजना	
4. द्रव्यगुणविज्ञान	4. द्रव्यगुणविज्ञान		
5. रसशास्त्र	5. रसशास्त्र		
6. भेषज्यकल्पना	6. भेषज्यकल्पना		
7. रोग विज्ञान एवं विकृति विज्ञान	7. रोग विज्ञान एवं विकृति विज्ञान		

प्रत्येक विषय की परीक्षा वर्ष में दो बार नवम्बर और अप्रैल माह में होनी चाहिए। प्रश्न सरल संस्कृत में होंगे परन्तु उनके उत्तर संस्कृत या हिन्दी अथवा किसी मान्य क्षेत्रीय भाषा, जो शिक्षण का माध्यम हो, में दिए जा सकते हैं।

10. प्रश्न पत्रों की संख्या एवं प्रत्येक के अंक

विषय	सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रों की संख्या	अंक	प्रायोगिक/ मौखिक	कुल अंक
1	2	3	4	5
प्राग्यायुर्वेद के विषय				
1. सस्कृत	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र तृतीय प्रश्न पत्र	100 100 100	50	350
2. प्रारम्भिक पदार्थ विज्ञान	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	50	250
3. उष्मिज्जाग प्रत्यंग विज्ञान	एक प्रश्न पत्र	100	50	150
4. प्रारम्भिक रसायन परिचय	एक प्रश्न पत्र	100	50	150
5. आयुर्वेद इतिहास एवं आयुर्वेद परिचय	एक प्रश्न पत्र	100	-	100
मुख्य आयुर्वेद पाठ्यक्रम के विषय				
1. पदार्थ विज्ञान	एक प्रश्न पत्र	100	50	150
2. अष्टांग संग्रह	एक प्रश्न पत्र	100	--	100
3. शरीर रचना विज्ञान	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	200	400
4. शरीर क्रिया विज्ञान	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	200	400
5. स्वस्थवृत्त				
(क) सामाजिक एवं रोगानुत्पादक	-- 50	प्रथम प्रश्न पत्र		
(ख) वैयक्तिक	-- 50			
(ग) योग और निसर्गोपचार	-- 50	द्वितीय प्रश्न पत्र	50	250
(घ) आहार विधि/पोषण	-- 50			
6. द्रव्यगुण विज्ञान	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	150	350

1	2	3	4	5
7 रसशास्त्र एवं भेषज्यकल्पना	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	150	350
8 रोगविज्ञान एवं विकृति विज्ञान	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	100	300
9 चरक संहिता (पूर्वार्ध)	एक प्रश्न पत्र	100	—	100
10 प्रसूतिलक्षण एवं स्त्रीरोग	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	100	300
11 कोमारभृत्य	एक प्रश्न पत्र	100	50	150
12 अगवर्तन एवं व्यवहारायुर्वेद	एक प्रश्न पत्र	100	50	150
13 चरक संहिता (उत्तरार्ध)	एक प्रश्न पत्र	100	—	100
14 चिकित्सा				
(क) चिकित्सा सिद्धांत	—50			
(ख) सिद्ध चिकित्सा	—25			
(ग) मूलानी चिकित्सा	—25			
ज्वरादि रोग चिकित्सा				
(क) वातव्याधि चिकित्सा	—50	द्वितीय प्रश्न पत्र		
(ख) मानस रोग भूतविद्या एवं योग चिकित्सा	—30	तृतीय प्रश्न पत्र		
(ग) अत्यधिक चिकित्सा	—20			
(क) पंचकर्म	—50			
(ख) रसायन	—25	चतुर्थ प्रश्न पत्र		
(ग) बाजीकरण	—25			
15 शल्यतंत्र	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	100	300
16 शाला लाक्ष्य	प्रथम प्रश्न पत्र द्वितीय प्रश्न पत्र	100 100	100	300

11 उत्पीर्णताक :

प्रत्येक विषय में प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों के लिए पृथक्-पृथक् रूप से 50 प्रतिशत अंक उत्तीर्णक होंगे। किसी भी विषय में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक उस विषय में विशेष योग्यता सूचक होंगे।

12. वर्षानुक्रम से विभिन्न विषयों के व्याख्यानों, प्रायोगिकों एवं निदर्शनों की संख्या

प्रागयुर्वेद पाठ्यक्रम

विषय	द्विवर्षीय पाठ्यक्रम		एक वर्षीय पाठ्यक्रम	
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	सैद्धांतिक	प्रायोगिक
1. संस्कृत	450	—	300	—
2. प्रारम्भिक पदार्थ	300	100	200	50
3. उद्भिज्जांग प्रत्यय विज्ञान	200	100	100	50
4. प्रारम्भिक रसशास्त्र, परिचय	200	100	100	50
5. आयुर्वेद इतिहास एवं आयुर्वेद परिचय	150	—	100	—

मुख्य आयुर्वेद पाठ्यक्रम

विषय	व्याख्यान	प्रायोगिक	निदर्शन
1	2	3	4
प्रथम वर्ष			
1. पदार्थ विज्ञान	125	—	—
2. अष्टांग सग्रह	100	—	—
3. शरीर रचना विज्ञान	100	75	—
4. शरीर क्रिया विज्ञान	75	20	20
5. स्वस्थवृत्त	50	—	—
द्वितीय वर्ष			
1. शरीर रचना विज्ञान	100	75	—
2. शरीर क्रिया विज्ञान	75	20	20
3. स्वस्थवृत्त	50	50	—
4. द्रव्यगुण विज्ञान	100	20	10
5. रसशास्त्र	65	50	10
6. भेषज्य कल्पना	65	50	10
7. रोग विज्ञान एवं विकृति विज्ञान	100	50	—
तृतीय वर्ष			
1. द्रव्यगुणविज्ञान	100	40	30
2. रसशास्त्र	65	55	10

1	2	3	4
3. वैद्यक्यकल्पना	65	55	10
4. रोग विज्ञान एवं चिकित्सा विज्ञान	150	100	---
5. अगवतन एवं व्यवहारयुक्त	100	50	---
6. प्रसूति तन्त्र एवं स्त्री रोग	100	50	---
चतुर्थ वर्ष			
1. चरक संहिता	100	---	---
2. प्रसूति तन्त्र एवं स्त्री रोग	100	50	---
3. कौमार भूय	100	50	---
4. कार्य चिकित्सा	100	50	---
5. शल्य तन्त्र	50	25	---
6. शालाक्य तन्त्र	50	25	---
पंचम वर्ष			
1. कार्य चिकित्सा	200	100	---
2. शल्यतन्त्र	100	75	---
3. शालाक्य तन्त्र	100	75	---
4. चरक संहिता	100	---	---

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक का पोस्चिड 45 मिनट की अवधि से कम नहीं होगा। चिकित्सीय विषयो एव रचना शरीर (शवच्छेदन) की प्रायोगिक अवधि कम से कम छेड़ (1/1/2) घंटा होगी।

टिप्पणी.—तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम वर्ष में छात्रों का अस्पताल में चिकित्सीय प्रशिक्षण निम्न प्रकार होगा :—

(क) कार्य चिकित्सा	(अन्तरंग एवं बाह्य कक्षा)	10 मास
(ख) शल्यतन्त्र	(अन्तरंग एवं बाह्य कक्षा)	8 मास
(ग) शालाक्यतन्त्र	(अन्तरंग एवं बाह्य कक्षा)	3 मास
(घ) प्रसूति तन्त्र	(अन्तरंग एवं बाह्य कक्षा)	3 मास
(ङ) कौमार भूय		1 मास
(च) पंचकर्म		1 मास
(छ) मानसिक रोग		1 मास
(ज) संक्रामक रोग	(क्षय एवं कुष्ठ रोग सहित)	1 मास

13. शिक्षण कर्मचारियों के लिए विहित अर्हताएं अनिवार्य

(क) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय अथवा भारतीय चिकित्सा के सांविधिक मंडल/संकाय/परीक्षा निकाय से आयुर्वेद की उपाधि/अधिकार पत्र या उसके समकक्ष।

अथवा

निखिल भारतवर्षीय आयुर्वेद विद्यापीठ की आयुर्वेदवाच्य।

अथवा

स्थापित प्रतिष्ठा के श्रेष्ठ अन्य आयुर्वेदीय विद्वान, भले ही उनके पास कोई उपाधि/अधिकार पत्र न हो किन्तु वे आयुर्वेद के विषयो के अध्यापन के योग्य हों।

(ख) प्राध्यापक, प्रवाचक एवं व्याख्याता के पद के लिए किसी संस्था से क्रमशः दस वर्ष, पांच वर्ष एवं तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव।

(ग) संस्कृत का ज्ञान

वांछनीय

(क) किसी मान्य संस्था/विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से आयुर्वेद में स्नातकोत्तर अर्हता।

(ख) अपने विषय पर मूल प्रकाशित पत्र/पुस्तके।

अनुसूची—II

(नियम 6 देखें)

मिड मध्य बा अरिग्नर पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक

सिद्ध शिक्षा का उद्देश्य एवं प्रयोजन

1. शिक्षा के न्यूनतम मानको से संबंधित मिड समिति द्वारा अनु-शसित सिद्ध योजना में शिक्षा का उद्देश्य एवं प्रयोजन विवेकी एवं दक्ष चिकित्साध्यायी उपलब्ध करानी है जो पद्धति के सिद्धांतों एवं चिकित्सा के आधार पर चिकित्सीय सहायता प्रदान करेंगे। चिकित्साध्यासियों को आपातकालीन उपचार प्रदान करने की स्थिति में भी होना चाहिए।

2. ऐसे सक्षम व उपयुक्त कामिक उपलब्ध कराना जो मिड चिकित्सा के महाविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कर सकें।

3. नोई इल्लानरी एवं इथिरायुक्कल के अछे ज्ञान सहित ऐसे बुनि-यादी चिकित्सक पैदा करना ताकि वे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सेवा करने के योग्य बन सकें।

1. शैक्षिक अर्हताएं

(I) बी० एम० एम० एम० की प्रवेश परीक्षा में एम० एम० एल० सी० उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्राग-विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम की भाग-III उन्नत उत्तीर्ण करना चाहिए अथवा पूर्णतः तमिल उत्तीर्ण या प्राग विश्वविद्यालय के भाग-III के अधीन केवल उन्नत तमिल में उत्तीर्णता का प्रमाण-पत्र रखने वाले बी० ए० या बी० एम० सी० छात्र।

(II) वय

पाठ्यक्रम में प्रवेश वाले वर्ष को 15 जुलाई को वय आयु 15 वर्ष 6 माह पूर्ण होनी चाहिए।

(III) पाठ्यक्रम का अवधि

पाठ्यक्रम की अवधि 6 माह के विशिष्टानुप्रवेश सहित 5/1/2 वर्ष होगा।

(क) प्रथम बी० एम० एम० एम० पाठ्यक्रम	एक वर्ष
(ख) द्वितीय बी० एम० एम० एम० पाठ्यक्रम	एक वर्ष
(ग) तृतीय बी० एम० एम० एम० पाठ्यक्रम	1/1/2 वर्ष
(घ) अंतिम बी० एम० एम० एम० पाठ्यक्रम	1/1/2 वर्ष
(ङ) विशिष्टानुप्रवेश	6 मास

विशिष्टानु प्रवेश के पश्चात् उपाधि

(IV) उपाधि का नाम

स्नातकाय पाठ्यक्रम की उपाधि मिड मध्य बा अरिग्नर, बेक्कलर आफ मिड मेडोमन एंड सर्जरी (बी० एम० एम० एम०) होगी जो अभ्यर्थी को उसके सफलतापूर्वक योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं देशी चिकित्सा पद्धति के किसी मान्य अस्पताल में 6 माह के विशिष्टानुप्रवेश का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् प्रदान की जायेगी।

(V) पाठ्यक्रम का नियमन करने वाला निकाय

1970 के अधिनियम के अधीन स्थापित भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् मान्यता प्रदान करेगी तथा समान स्तर बनाये रखने की दृष्टि से स्नातकीय एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का नियमन करेगा।

(VI) परीक्षा निकाय

मान्य विश्वविद्यालय जिससे भारतीय चिकित्सा पद्धति का महाविद्यालय सम्बद्ध है परीक्षा निकाय होगा।

(क) शिक्षा का माध्यम—इस पाठ्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम तमिल होगा।

(VII) परीक्षाएं

स्नातकीय पाठ्यक्रम में निम्न परीक्षाएं होंगी :—

- (क) प्रथम बी० ए० एम० एम० परीक्षा : प्रवेश के तीन शैक्षिक काल के अन्त में अथवा एक वर्ष के पश्चात् ।
- (ख) द्वितीय बी० एम० एम० एम० परीक्षा : प्रथम बी० एम० एम० एम० परीक्षा के तीन शैक्षिक कालों के अन्त में अथवा एक वर्ष पश्चात् ।
- (ग) तृतीय बी० एम० एम० एम० परीक्षा : द्वितीय बी० एम० एम० एम० परीक्षा के चार शैक्षिक कालों के अन्त में ढेढ़ वर्ष पश्चात् ।

** (ङ) वर्ष में तीन परीक्षाएं होंगी अर्थात् अक्टूबर, दिसम्बर और अप्रैल में ।

प्रथम बी० एम० एम० एम० का अध्ययन पाठ्यक्रम

प्रथम बी० एम० एम० एम० परीक्षा में स्वयं को उपस्थित करने से पूर्व उम्मीदवार निम्न विषयों में निर्देशों के माध्यम पाठ्यक्रम में उपस्थित रहने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा :—

- (i) तीन कालों (लगभग 210 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए थोतरा किरामत एवं मुरुघुवा बरालर में व्याख्यानों का पाठ्यक्रम ।
- (ii) तीन कालों (लगभग 252 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए मुरुघुवा थारवा इयाल में व्याख्यानों, निर्देशन व प्रायोगिकों का पाठ्यक्रम ।
- (iii) तीन कालों (लगभग 144 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए वैधियाल में व्याख्यान एवं निर्देशन का पाठ्यक्रम ।
- (iv) तीन कालों (लगभग 144 घंटे) की अवधि व्याप्त करते हुए बौधियम में व्याख्यान एवं निर्देशन का पाठ्यक्रम ।
- (v) तीन कालों (लगभग 108 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए वलंगीयाल में व्याख्यान एवं निर्देशन का पाठ्यक्रम ।

** (घ) चतुर्थ बी० एम० एम० एम० परीक्षा : तृतीय बी० एम० एम० एम० परीक्षा के चार शैक्षिक कालों के अन्त में अथवा ढेढ़ वर्ष पश्चात् ।

- (vi) प्रथम एवं द्वितीय अध्ययन वर्ष (प्रथम पाठ्यक्रम लगभग 144 घंटे) में विस्तारित छह कालों की अवधि को व्याप्त करते हुए उदल कुरुगल के व्याख्यानों एवं प्रशंनों का पाठ्यक्रम जिसमें सम्पूर्ण मानव शरीर का शक्कलेवन भी सम्मिलित होगा ।
- (vii) प्रथम एवं द्वितीय अध्ययन वर्ष (प्रथम पाठ्यक्रम लगभग 72 घंटे) में विस्तारित छह कालों की अवधि को व्याप्त करते हुए उदल थरुधुवम पर व्याख्यानों का पाठ्यक्रम जिसमें चुने हुए प्रत्यक्ष कर्माभ्यास की कक्षाएं भी सम्मिलित होंगी ।
- (viii) प्रथम एवं द्वितीय अध्ययन वर्ष (प्रथम पाठ्यक्रम लगभग 144 घंटे) में विस्तारित छह कालों की अवधि व्याप्त करते हुए गुणापाठम-मखिगई पर व्याख्यानों एवं प्रायोगिकों का पाठ्यक्रम ।
- (ix) प्रथम एवं द्वितीय अध्ययन वर्ष (प्रथम पाठ्यक्रम लगभग 72 घंटे) में विस्तारित छह कालों को व्याप्त करते हुए गुणापाठम क्रम पर व्याख्यानों व प्रायोगिकों का पाठ्यक्रम परीक्षायोजना-प्रथम बी० एम० एम० एम० की परीक्षा योजना में तीन भाग होंगे जो तीन अध्ययन कालों के अन्त में ली जाय ।

भाग-I

	घंटे	अंक
थोतरा किरामत अरानी और मुरुघुवा बरालर		
लिखित	3 घंटे	100
मौखिक	—	50

भाग-II

1. मुरुघुवा थारवा इयाल		
लिखित	3 घंटे	10
प्रायोगिक	3 घंटे	100
मौखिक	—	5
2. विलंगु इयाल		
लिखित	3 घंटे	100
मौखिक	—	50

भाग-III

1. वैधियाल		
लिखित	3 घंटे	100
मौखिक	—	50
2. बौधियम		
लिखित	3 घंटे	100
मौखिक	—	50

प्रयोगशाला अभ्यास पुस्तिका प्रस्तुतिकरण-अभ्यर्थी भाग-II (i) में सम्मिलित विषयों को प्रायोगिक परीक्षा में परीक्षकों के निरीक्षणार्थ अपने व्याख्याताओं द्वारा प्रमाणित अपने मूल प्रायोगिक अभिलेख, अभ्यास पुस्तिकाएँ तथा प्रायोगिक पत्र लायेगा जो अभ्यर्थी द्वारा प्रायोगिक कक्षा में किए गए वास्तविक कार्य के सूचक होंगे ।

अभ्यर्थी को प्रायोगिक परीक्षा में अपनी प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिकाएं अथवा पत्रों का उपयोग करने की अनुमति दी जाय । प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा में परीक्षकों द्वारा उम्मीदवार के कक्षा अभिलेखों को संदर्भित किया जाय ।

प्रवेश के लिए पात्रता—

अध्ययन की अवधि :—कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा के किसी भी भाग में तब तक प्रविष्ट नहीं किया जाएगा जब तक :—

- (1) प्रवेश के लिए वह सीमा सम्बन्धी प्रावधानों का अनुसरण करके का सतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत न किया हो, तथा
- (2) अध्ययन का विहित प्रमाण पत्र प्रस्तुत न किया हो ।

उपस्थिति का प्रमाण-पत्र— अभ्यर्थी की सभी विषयों में कम से कम 80 प्रतिशत उपस्थिति होना होगा ।

उत्तीर्ण होने के लिए योग्यता अंक यदि अभ्यर्थी भाग-I, II, III के प्रत्येक विषय में एक साथ लिखित एवं मौखिक परीक्षाओं में आधे से कम अंक तथा भाग-II (i) मुरुघुवा थारवा इयाल में प्रायोगिक परीक्षाओं में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है तो उसे बी० एम० एम० एम० की प्रथम परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा ।

अन्य सभी अभ्यर्थी परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण माने जायेंगे ।

विषयों में पुनर्परीक्षा से छूट

जो अभ्यर्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं किंतु किसी विषय में उत्तीर्णता अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें इस विषय में पुनर्परीक्षा से छूट दी जाएगी ।

अनुत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए आगे अध्ययन :—किसी विषय में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी को उस अवधि के लिए जो सफलता देने वाली आगामी परीक्षा तक पड़ाई जाएगी, में आगे अध्ययन करने का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा ।

द्वितीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा

अभ्यर्थी द्वितीय बी० एस० एम० एस० की परीक्षा में स्वयं को प्रस्तुत करने से पूर्व प्रथम बी० एस० एम० एस० की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर और साथ ही निम्न विषयों में मान्य निर्देशावधि में उपस्थित होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा :—

- (i) तीन कालों (लगभग 432 घंटे) को व्याप्त करते हुए उदल कुरुगल में व्याख्यानों एवं निदर्शनों की अवधि जिसमें सम्पूर्ण मानव शरीर का शवच्छेदन (दूसरा पाठ्यक्रम) भी सम्मिलित होगा।
- (ii) तीन कालों (लगभग 216 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए उदल यथुजांगमम् व्याख्या अवधि जिसमें चुन। हुई प्रायोगिक कक्षाएं भी सम्मिलित होंगी।
- (iii) तीन कालों (लगभग 432 घंटे द्वितीय पाठ्यक्रम) की अवधि व्याप्त करते हुए गुणपाठम (मूलिगई) में व्याख्यानों एवं किए गए प्रायोगिकों की अवधि।
- (iv) तीन कालों (216 घंटों से अधिक द्वितीय पाठ्यक्रम) की अवधि को व्याप्त करते हुए गुणपाठम (यथु-जांगमम्) में व्याख्यानों एवं किए गए प्रायोगिकों की अवधि।

परीक्षाओं की योजना :—द्वितीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा में दो भाग होंगे।

टिप्पणी :—गुणपाठम (मूलिगई एवं यथुजांगमम्) पर निदर्शनों की अवधि में निदर्शन और विभिन्न प्रकार के शोध योगों का निर्माण तथा एक काल की अवधि के लिए रमशाला (फार्मैसी) में उपस्थिति सम्मिलित होगी।

भाग- I

	घंटे	अंक
1. उदल कुरुगल		
लिखित	3	100
मौखिक	—	50
प्रायोगिक	3	100
2. उदल यथुवम		
लिखित	3	100
मौखिक	—	50

भाग-II

1. गुणपाठम (मूलिगई)		
लिखित	3	100
मौखिक	—	50
प्रायोगिक	3	100
2. गुणपाठम (यथु जांगमम्)		
लिखित	3	100
मौखिक	—	50
प्रायोगिक	3	100

प्रयोगशाला अभ्यास पुस्तिका प्रस्तुतिकरण—अभ्यर्थी भाग-II में सम्मिलित विषयों की प्रायोगिक परीक्षा में परीक्षकों के निरीक्षणार्थ अपने व्याख्याता द्वारा प्रमाणित अपने मूल प्रायोगिक अभिलेख, अभ्यास पुस्तिकाएं तथा प्रायोगिक पत्र लाएगा जो अभ्यर्थी द्वारा प्रायोगिक कक्षा में किए गए वास्तविक कार्य के सूचक होंगे।

अभ्यर्थी को प्रायोगिक परीक्षा में अपनी प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिकाएं अथवा पत्रों का उपयोग करने की अनुमति दी जाय। प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा में परीक्षण द्वारा अभ्यर्थी के कक्षा अभिलेखों की संदर्भित किया जाय।

परीक्षाएं खंडो या सम्पूर्ण रूप में ली जायें—यहाँ

अभ्यर्थी एक समय में सम्पूर्ण परीक्षा के लिए स्वयं उपस्थित हों अथवा उन्हें दो भागों में लिया जा सकता है, बशर्त कि प्रथम बी० एस० एम० एस० परीक्षा उत्तीर्ण करने पर परीक्षा छह अध्ययन काल पूर्ण करने के बाद ली जायें।

यदि अभ्यर्थी प्रत्येक विषय में एक साथ लिखित एवं मौखिक परीक्षा में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है तो द्वितीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा के लिए अभ्यर्थी को परीक्षा के प्रथम भाग में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

यदि अभ्यर्थी प्रत्येक विषय में एक साथ लिखित व मौखिक परीक्षा में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है और इन विषयों की प्रायोगिक परीक्षाओं में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है तो उसे परीक्षाओं के भाग-II में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

अन्य सभी अभ्यर्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण माने जायेंगे।

विषय में पुनर्परीक्षा से छूट

जो अभ्यर्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं किन्तु किसी विषय में उत्तीर्णता अंक प्राप्त करते हैं, उस विषय में पुनर्परीक्षा से छूट दी जाएगी।

अनुत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए आरंभ अध्ययन

उन अभ्यर्थियों को, जो किसी विषय अथवा विषयों में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, उस अवधि के लिए जो आगामी सफल परीक्षा को व्याप्त करेगी, आरंभ अध्ययन करने का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

तृतीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा।

अभ्यर्थी बी० एस० एम० एस० परीक्षा में बैठने से पूर्व।

(क) द्वितीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा।

(ख) निम्न विषयों के अध्ययन में व्यस्त रहा है :—

1. पांच कालों (लगभग 180 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए नोई अनुमा विषी ब्राह्मकम, नोयई-इथिरायु कायन्, एवं पोथुनाल वसवु के व्याख्यानों एवं निदर्शनों की अवधि।
2. पांच कालों (लगभग 360 घंटों) की अवधि को व्याप्त करते हुए मोईनदल नोईमुवल नवल (एनवर्गै थेरवल सहित) व्याख्यानों व निदर्शनों की अवधि जिसमें नुनकीरुगल और वरीरुगल आदि के निदर्शन भी सम्मिलित होंगे।
3. पांच कालों (लगभग 180 घंटों) की अवधि को व्याप्त करते हुए नानजू नूल और मयुवा नोधि नूल में व्याख्यानों एवं निदर्शनों की अवधि जिसमें पिना परिथोयनई के निदर्शन भी सम्मिलित होंगे।
4. पांच कालों (लगभग 300 घंटों) की अवधि को व्याप्त करते हुए सिद्ध मयुवम् के व्याख्यानों एवं चिकित्सीय प्रशिक्षण के प्रथम पाठ्यक्रम में उपस्थित हुआ हो जिसमें मोईरुगलिनन परिथोयनई भी सम्मिलित होंगे।
5. पांच कालों (लगभग 240 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए सिद्ध अरवई मयुवम् के व्याख्यानों एवं चिकित्सीय प्रशिक्षण के प्रथम पाठ्यक्रम में उपस्थित हुआ हो जिसमें मुथल उदयी और पट्टी कुरुगल भी सम्मिलित होंगे।
6. पांच कालों (लगभग 180 घंटे) की अवधि को व्याप्त करते हुए सुल मयुवम् और कर्पनीन थक्कप्पु के व्याख्यानों एवं चिकित्सीय प्रशिक्षण के प्रथम में पाठ्यक्रम उपस्थित हुआ हो जिसमें कार उर्पयी का अध्ययन भी सम्मिलित होगा।

प्रश्न 4: मध्य (iv), (v) एवं (vi) तृतीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा के लिए नहीं है।

परीक्षा योजना—तृतीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा के दो भाग होंगे —

भाग-I

1. नौई अक्षर—विधि—बीजक भादि	घंटे	अंक
लिखित	3	100
मौखिक	—	50
2. नौई मंदल, सक्या 1 मुंदल नंदल भादि—		
लिखित	3	100
मौखिक	—	50

भाग-II

3. मानकूल मरुवुवा बीधनूल		
लिखित	3	100
मौखिक	—	50

उत्तीर्णता के लिए योग्यता अंक—अध्ययी (क) लिखित एवं मौखिक परीक्षाओं में एक साथ भाग-I तथा II के प्रत्येक विषय में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है तो उसे तृतीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा के भाग-I और II में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(ii) में अन्य समस्त अध्ययी परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझे जाएंगे।

विषय की पुनः परीक्षा से छूट—जो अध्ययी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए हैं किन्तु किसी विषय में उत्तीर्णता अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें उस विषय की पुनः परीक्षा से छूट होगी।

अनुत्तीर्ण अध्ययियों के लिए आगे अध्ययन—जो अध्ययी तृतीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा के भाग-I और भाग II में किसी विषय में अनुत्तीर्ण हों उन्हें उस अवधि के लिए जो आगामी मफल परीक्षा तक वितरित होती के अनिवार्य उपस्थिति देना आवश्यक होगा।

अनुत्तीर्ण अध्ययी बी० एस० एम० एस० परीक्षा—अंतिम बी० एस० एम० एस० परीक्षा के लिए स्वयं को प्रस्तुत करने से पूर्व अध्ययी (क) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय बी० एस० एम० एस० परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा। (ख) प्रत्येक निम्न विषय (i) लिखित मरुवुवम वषीय (ii) लिखित मरुवुवम (लिखित) (iii) लिखित अक्षर मरुवुवम एवं लिखित मूल मरुवुवम भादि—के लिए 9 काकों की अवधि के लिए विस्तारित 3 अक्षिक वर्षों के लिए विषयों के अध्ययन में संलग्न रहा है तथा तत्सम्बन्धी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा।

परीक्षा की अवधि—परीक्षा के लिए अंतिम बी० एस० एम० एस० विषय के व्याख्यानो एवं चिकित्सीय अधिपण की अवधि निम्न प्रकार होगी—

(क) मरुवुवम (पोष) — 3 अक्षिक वर्ष—लगभग 732 घंटे—के लिए (9 काल)

(ख) मरुवुवम (सिराण) — 1 1/2 अक्षिक वर्ष—लगभग 734 घंटे—के लिए (9 काल)

(ग) अक्षर मरुवुवम — 3 अक्षिक वर्षों—लगभग 528 घंटे—के लिए (9 काल)

(घ) मूल मरुवुवम मगलिर पिल्लई पिनि मरुवुवम भादि सहित—3 अक्षिक वर्ष—लगभग 468 घंटे के लिए (9 काल)

अंतिम बी० एस० एम० एस० परीक्षा के लिए परीक्षा योजना निम्न प्रकार होगी—

भाग-I

1. मरुवुवम (पोष)	घंटे	अंक
लिखित	3	100
3—89GI/86		

निम्न से युक्त चिकित्सीय परीक्षा

(1) एक घंटे का एक बड़े केस

(2) दो घंटे के तीन छोटे केस

मौखिक — 100

मौखिक — 50

2. मरुवुवम (सिराण)

लिखित 3 100

केवल एक लम्बे केस की चिकित्सीय परीक्षा 1 100

मौखिक — 50

भाग-II

1. अक्षर मरुवुवम

लिखित 3 100

एक घंटे के एक बड़े केस एवं आधा घंटे के तीन छोटे केसों की चिकित्सीय परीक्षा

मौखिक — 50

2. मूल मरुवुवम भादि

लिखित 3 100

एक घंटे के एक बड़े केस की और आधे घंटे के

तीन छोटे केस की चिकित्सीय परीक्षा — 100

मौखिक — 50

उत्तीर्णता के लिए योग्यता अंक—यदि अध्ययी (क) भाग-I और II के प्रत्येक विषय की एक साथ लिखित एवं मौखिक परीक्षा में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है (ख) भाग-I और II के प्रत्येक विषय की चिकित्सीय परीक्षा में आधे से कम अंक प्राप्त नहीं करता है तो वह अंतिम बी० एस० एम० एस० परीक्षा के भाग-I और II में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। अन्य सभी अध्ययी परीक्षा में अनुत्तीर्ण माने जाएंगे।

विषयों में पुनः परीक्षा से छूट—जो अध्ययी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं किन्तु किसी विषय में उत्तीर्णता अंक प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें उस विषय में पुनः परीक्षा से छूट होगी।

अनुत्तीर्ण अध्ययियों के लिए आगे अध्ययन—

जो अध्ययी अंतिम बी० एस० एम० एस० परीक्षा के भाग-I और II किसी विषय में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं तो उन्हें उस अवधि के लिए जो आगामी परीक्षा तक व्याप्त होगी के अनिवार्य उपस्थिति देना आवश्यक होगा।

उन अध्ययियों जिन्होंने बी० एस० एम० एस० के अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है को उपाधि में प्रवेश से पूर्व भारतीय चिकित्सा के किसी मान्य अस्पताल में किसी मान्य चिकित्सा अधिकारी के अधीन विशिष्ट प्रवेश में रखेंगे।

ऐसे अध्ययी उपाधि प्रदान किए जाने से पूर्व छात्र विशिष्ट प्रवेश की संतोषजनक पूर्णता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे।

अनुसूची-III

(विनियम 7 देखें)

कामिल-ए-तिब्ब-औ-अराहत-पाठ्यक्रम के न्यूनतम मार्ग

यूनानी शिक्षा का उद्देश्य एवं प्रयोजन

यूनानी के सक्षम चिकित्सक तैयार करना जो जहाँ आवश्यक हो वहाँ आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ यूनानी चिकित्सा पद्धति के अधिारभूत सिद्धान्तों एवं मौखिक सिद्धांतों के अपने विस्तृत ज्ञान पर आधारित कार्य चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा के सभी प्रकार के रोगियों को संभाल सकें। ऐसे यूनानी स्नातक देश की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य करने के लिए पूर्णतया सक्षम होंगे।

2. प्रवेश अर्हता

सीनियर सैकेण्डरी (12वीं कक्षा)/इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष प्राप्य अर्हता। वे बी० यू० एम० एस० के मुख्य 5 वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

अथवा

दो वर्षीय प्राग तिब्ब पाठ्यक्रम के लिए एस० एस० एल० सी०/मैट्रिक द्वारा समकक्ष प्राप्य अर्हता।

टिप्पणी:—उन्हे प्राथमिकता दी जायेगी जो अरबी या फारसी में बोलें। उन राज्यों के मामले में एक वर्ष की अवधि वाला प्राग तिब्ब-पाठ्यक्रम भी जारी रहे जहाँ शिक्षा का 10+2 ढांचा अभी तक लागू नहीं हुआ है।

3. प्रवेश के लिए न्यूनतम वय

(क) प्राग तिब्ब पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्टूबर को 15 वर्ष।

(ख) प्राग तिब्ब पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के लिए प्रवेश में प्रथम अक्टूबर को 16 वर्ष।

(ग) मुख्य यूनानी पाठ्यक्रम के लिए प्रथम अक्टूबर को 17 वर्ष।

4. पाठ्यक्रम की अवधि

- | | |
|--------------------------|-----------------|
| 1. प्राग तिब्ब पाठ्यक्रम | एक वर्ष/दो वर्ष |
| 2. मुख्य पाठ्यक्रम | 5 वर्ष |
| 3. विशिष्टानुप्रवेश | 6 माह |

5. पाठ्यक्रम की सफलतापूर्वक पूर्णता के पश्चात प्रदान की जाने वाली उपाधि।
(कामिल-ए-तिब्ब-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूनानी मेडिसिन एण्ड सर्जरी))

6. निवेश का माध्यम

निवेश का माध्यम उर्दू होगा जो जहाँ आवश्यक होगा वहाँ अंग्रेजी से प्रमाणित होगी। जहाँ उर्दू जानने वाले छात्र उपलब्ध नहीं हों वहाँ शिक्षण सुविधाएं (पाठ्यग्रंथों सहित) हिन्दी या प्रान्तीय भाषा में प्रदान की जावें और माध्यम में परिवर्तन अपनाया जाए।

अध्ययन के पाठ्यक्रम में आवश्यक आधुनिक विकासों को सम्मिलित किया जाएगा, ऐसी स्थिति में शब्दावली अरबी समतुल्य के साथ आधुनिक मानक शब्दावली होगी। यूनानी के लिए शब्दावली आवश्यक रूप से यूनानी शब्दावली रहेगी।

7. प्रागतिष्ठ पाठ्यक्रम में व्याख्यानों की संख्या

विषय	व्याख्यानों की कुल संख्या			
	दो वर्षीय पाठ्यक्रम		एक वर्षीय पाठ्यक्रम	
	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक
तबीयात	300	80	200	50
कीमिया	300	80	200	50
नवातियात	200	50	125	30
हैबानियात	200	50	125	30
अरबी	250	—	125	—
मस्तिष्क-ओ-फलसफा	100	—	50	—
अंग्रेजी	250	—	125	—
	1600	260	950	160

व्याख्यानों की अवधि

सैद्धान्तिक व्याख्यानों के लिए न्यूनतम अवधि 45 मिनट और प्रायोगिक के लिए एक घंटा होना चाहिये।

कुछ विषयों में परीक्षा देने की छूट

प्राप्य अर्हता वाले छात्रों को अरबी और मस्तिष्क-ओ-फलसफा विषयों में प्रविष्ट होने की छूट दी जानी चाहिए। इसी प्रकार एक विषय के रूप में अंग्रेजी सहित मैट्रिक और उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को अंग्रेजी विषय में प्रविष्ट होने से छूट दी जानी चाहिये।

8. मुख्य पाठ्यक्रम में परीक्षा के विषय

प्राग चिकित्सीय

प्रथम वर्ष

1. (तशरीह) रचना शरीर
2. (मुनाफे-उल-आजा) क्रिया शरीर
3. उमूर-ए-तबीया (तिब्ब के मूल सिद्धान्त)
4. इलमूल अदविया (कुलियात-ए-अदविया) द्रव्यगुण के सिद्धान्त।

परीक्षाएं—3 और 4 सैद्धान्तिक

द्वितीय वर्ष

1. तशरीह-रचना शरीर
2. मुनाफे-उल-आजा
3. हिफजाने-सेहत-ओ-तदफूज-ओ-समाजी-तिब्ब-स्वास्थ्य विज्ञान निवारक और सामाजिक चिकित्सा।

परीक्षा—1, 2, 3, 4 प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक।

चिकित्सीय

तृतीय वर्ष

1. तिब्ब-ए-कानूनी-ओ-इलमूल-समूम (अवतल और विष-विज्ञान)
2. इलमूल अमराज-ओ-इलमूल जरासीम (विकृति विज्ञान और जीवाणु विज्ञान)।
3. मुआलिजात (काय चिकित्सा)
4. इलमूल अदविया (मुखकवात-व-सैबला) (द्रव्यगुण एवं रसाशास्त्र)
5. सरीरियात (उसूल-ए-तशखीस-ओ-तजवीज) शरीरयात-निदान एवं चिकित्सा के सिद्धान्त) परीक्षाएं—1, 2, 4 और 5—सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक।

चतुर्थ वर्ष

1. मुआलिजात जुज-III (काय चिकित्सा भाग-III)
2. कवालत-ओ-मुताल्लिका अमराज (प्रसूति तंत्र)
3. अमराज-ए-निसवान-ओ-अतफाल (स्त्रीरोग एवं बालरोग)
4. तारीख-ए-तिब्ब (तिब्ब का इतिहास)
5. मतब (नैदानिक)

परीक्षाएं—2 और 3 सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक तथा 1 और 4 सैद्धान्तिक।

पंचम वर्ष

1. मुआलिजात जुज-III (कायचिकित्सा भाग-III)
2. अमराज-ए-एन-उज्ज, अतफ, हलक-ओ-असनान (आँख, नाक, कान, गला और दाँत के रोग)
3. जराहितयत (शल्य)
4. मतब (नैदानिक)

परीक्षाएं—2 और 3 सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक 1 और 4 प्रायोगिक।

शिक्षण योजना			
यूनानी पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ष और विषय के लिए व्याख्यानों का आवंटन निम्न प्रकार होगा—			
प्रथम व्यावसायिक पाठ्यक्रम			
विषय	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	योग
1. तशरीह-उल-बदन (रचना शरीर)	100	75	175
2. मुनाफे-उल-आजा (क्रिया शरीर)	120	30	150
3. उमूर-ए-तिबिया (तिब्ब के मूल सिद्धांत)	150	—	150
4. इलमुल अदविया (द्रव्यगुण) कुल्लियात-ए-अदविया (द्रव्यगुण के सिद्धांत)	150	—	150
			625

द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1. तशरीह-उल-बदन (रचना शरीर)	100	75	175
2. मुनाफे-उल-आजा (क्रिया शरीर)	120	30	150
3. इलमुल-अदविया (मुफरदात) (द्रव्यगुण)	125	75	200
4. हिफजान-ए-सेहत, तहफुज-ओ-समाजी तिब्ब (स्वास्थ्य विज्ञान, निवारक और सामाजिक चिकित्सा)	125	25	150

तृतीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1. इलमुल-अदविया (मुरककात-ओ-सदला) (द्रव्यगुण) (श्रीषधि एवं रसशास्त्र)	100	100	200
2. शरीरियात (उसूल-ए-तशखीस-ओ इलाज (निदान एवं चिकित्सा विज्ञान)	100	100	200
3. इलमुल-अमराज (अहवाल-असबाब-अलामात-ओ इलमुल-अरसीम) (बिहति विज्ञान)	150	50	200

4. तिब्ब-ए-कानूनी-ओ-इलमुल-समूम (अंगदंत व विष विज्ञान)	125	25	150
5. मुआलिजात भाग-I (कायचिकित्सा भाग-I)	150	—	150
			900

चतुर्थ व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1. इलमुल-कबालत-ओ-मुतस्लिका-अमराज (प्रसूति तंत्र)	100	×	100
2. मुआलिजात भाग-II (कायचिकित्सा भाग-II)	100	×	100
3. अमराज-ए-निसवान-ओ-अतफाल (स्त्रीरोग एवं बालरोग)	150	×	150
4. मतब (नैदानिक)	150	×	150
5. तारीख-ए-तिब्ब [(तिब्ब का इतिहास)]	50	×	50
			550

पंचम (अंतिम) व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1. अर्राहियात (शल्य चिकित्सा)	100	×	100
2. मुआलिजात भाग-III (काय चिकित्सा भाग-III)	150	×	150
3. मतब (नैदानिक)	150	×	150
4. अमराज-ए-एन-अनक-उज्ज-हलक आदि (आँख, नाक, कान गला आदि के रोग)	100	×	100

*उन सभी विषयों में प्रायोगिक प्रशिक्षण अनुरंग एवं बहिरंग विभागों में एक माह से कम अवधि का नहीं होगा।

9. परीक्षा की योजना

कुल छः परीक्षाएँ होंगी जो क्रमशः प्राग-तिब्ब, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम व्यावसायिक परीक्षाएँ कहलाएंगी। इनमें से प्रत्येक परीक्षा वर्ष में दो बार सामान्यतः अप्रैल/मई और अक्टूबर/नवम्बर माह में होती।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए बिहति परीक्षाएँ जब भी आवश्यक हों, लिखित प्रश्न पत्र प्रायोगिक, नैदानिक और मौखिक परीक्षा अथवा इन विधियों में से किन्हीं के संयोजन के द्वारा प्रवृत्त की जाएँ।

परीक्षा योजना

(प्राग्-तिब्ब-पाठ्यक्रम)

विषय		सैद्धान्तिक		प्रायोगिक		अंश योग		अंश योग			
		प्रश्न पत्रों की संख्या	प्रत्येक पत्र की अवधि	प्रति पत्र अंश	अभिलेख पुस्तिका	त्रिमासिक मौखिक	योग सैद्धान्तिक	प्रायोगिक एवं मौखिक	कुल योग		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	कीमिया (रसायन शास्त्र)	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका	50	—	150	100	50	150
2	तबीयात (भौतिकी)	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका	50	—	150	100	50	150
3	तैबानियात (अनु विज्ञान)	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका	50	—	150	100	50	150

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 अभिलेख											
4. नवातियात (वमस्पति विज्ञान)	.	1	3 घंटे	100	पुस्तिका	50	—	150	100	50	150
5. अरबी	.	1	3 घंटे	100	—	—	—	—	100	—	100
6. मल्लिक-मो-फलसफा-ओ-इलमूल-नोह	.	1	3 घंटे	50	—	—	—	—	—	—	50
7. अरबी	.	1	3 घंटे	150	—	—	—	—	—	—	150
										योग	900
प्रथम व्यावसायिक											
1. उसूरे-ए-तिबिया (तिब्ब के सिद्धांत)	.	1	3 घंटे	100	—	50	—	50	100	50	150
2. इलमूल अरबिया (द्रव्यगुण)	.	1	3 घंटे	100	—	50	—	50	100	50	150
										योग	300
द्वितीय व्यावसायिक											
1. मुलाफ-उल-आजा (क्रिया शरीर)	.	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका 20	50	30	100	100	100	200
2. तशरीह-उल-अवम (रचना शरीर)	.	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका 20	50	30	100	100	100	200
3. इलमूल-अरबिया (मुफावात) द्रव्यगुण एकावधि	.	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका 20	—	30	50	100	50	150
4. हफजान-ए-सेहत (स्वस्थवृत्त)	.	1	3 घंटे	100	—	—	50	50	100	50	150
										योग	700
अवधेय :- प्रायोगिक के लिए नियम 50 अंकों में से 10 अंक अभिलेख पुस्तिका के लिए होंगे।											
तृतीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम											
1. इलमूल अरबिया (मुरककवात-मो-सैदल) (द्रव्यगुण औषधि एवं रसायन)	.	1	3 घंटे	100	अभिलेख पुस्तिका 20	50	30	100	100	100	200
2. सरीरियात (उसूल-ए-तशखीस-मो-इलाज) (निदान एवं चिकित्सा के सिद्धांत)	.	1	3 घंटे	100	—	30	—	50	100	50	150
3. इलमूल-अमराज (विकृति विज्ञान)	.	1	3 घंटे	100	—	30	20	50	100	50	150
4. तिब्ब-ए-कानूनो-ओ-इलमूल-ए-समूम (अगदर्सल एवं विष विज्ञान)	.	1	3 घंटे	100	—	—	50	50	100	50	150
										योग	650
चतुर्थ व्यावसायिक											
1. इलमूल-कबावात-मो-मतलिलका-अमराज (प्रसूति संज्ञ)	.	1	3 घंटे	100	—	—	50	100	50	50	150
2. सारीख-ए-तिब्ब (तिब्ब का इतिहास)	.	1	3 घंटे	100	—	—	—	—	100	—	100
3. अमराज निसवाल-मो-अतकाल (स्त्री रोग एवं बालरोग)	.	1	3 घंटे	100	—	50	50	100	100	100	200
										योग	450
पंचमः (अंतिम) व्यावसायिक											
1. अरबियात (शल्य)	.	1	3 घंटे	100	—	50	50	100	100	100	200
2. मुआलिजात (कार्य चिकित्सा)	.	2	3 घंटे	100	—	—	—	100	200	100	300
3. अमराज-ए-एन-अनफ-हलक, उज्ज आदि (आँख, नाक, कान, गला आदि के रोग)	.	1	3 घंटे	—	—	50	—	50	100	50	150
4. मतब (सैदानिक)	.	1	—	—	—	80/20	—	100	—	—	100
										योग	750

15 शैक्षिक कर्मचारियों के लिए विहित ग्रहताएं

अध्यापकों की ग्रहताएं

(क) शिक्षता विषयों के लिए

I अनिवार्य

1. विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय अथवा संविधक/मंडल/संकाय भारतीय शिक्षा की परीक्षा निकाय से यूनानी शिक्षा की उपाधि/अधिकार-पत्र या उसके समकक्ष।

2. प्राध्यापक, रीडर, व्याख्याता के पद के लिए किसी मान्य संस्था में क्रमशः 10 वर्ष, 5 वर्ष एवं 3 वर्ष का अध्यापन अनुभव।

II आंशिक

1. किसी मान्य संस्था/विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से यूनानी में स्नातकोत्तर ग्रहता।

2. अपने विषय में प्रकाशित मौलिक पत्र/पुस्तकें।

(ख) मौलिक विज्ञान के विषयों के लिए।

संबंधित विषयों में प्रथम अथवा द्वितीय श्रेणी में एम एस्० सी०।

(ग) अरबी-विषयों और मन्तिक-प्रो-फलसफा के लिए

मन्तिक-प्रो-फलसफा सहित अरबी में फाजिल अथवा समकक्ष।

(घ) अंग्रेजी के लिए

अंग्रेजी में प्रथम या द्वितीय श्रेणी में एम० ए०।

राजकुमार जैन, निबंधक

भारतीय शिक्षा केन्द्रीय परिषद

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 31st March, 1986

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3-CA(4)/1/85-86.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1) (c) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names. :-

S. No.	Member-ship Number	Name and Address	Date
1	2	3	4
1.	610	Shri Benslon Nathan Derech Hayam, 69, Mount Carmel HAIFA 34744 Israel	1-8-1983
2.	1107	Shri Gulfam Edulji Marawala 1791, Pine Street 1, San Francisco, California 94109 U.S.A.	1-8-1984
3.	2105	Shri Pranjiyandas Baldevdas Patel 82-35, Pettit Avenue, Elmhurst, N.Y. 11373, U.S.A.	1-8-1984
4.	3342	Shri Hirabhai Naranbhai Patel Big 8 Motel 1116 U.S., 66, Business Route Clinton, Oklahoma 73601 U.S.A.	1-8-1984
5.	5199	Shri Amritlal Ujamshi Mehta 100, Diplomat Drive No. 4-0, MT. Kisco, New York-10549 U.S.A.	1-8-1984
6.	5874	Shri Sunny Kezhaakaparampil Cherian P.O. Box 12408, Rosslyn Station, Arlington, Virginia-22209-8408.	1-8-1984
7.	6117	Shri Jayantilal Vallabhbbhai Kapadia, 428, N. Marguerita Ave Alhambra Ca 91801 U.S.A.	1-8-1984

1	2	3	4
8.	6130	Shri Surinder Nath Nanda, 2858 Hollington Cres Mississauga, Ontario, L5K 1E9 Canada	1-8-1983
9.	6398	Shri K.V. Philip, P.O. Box 23975 Safat, Kuwait	1-8-1982
10.	6673	Shri M. Ramesh Shastry, Metropolitan Opera Association, Lincoln Center, New York, New York 10023 (212)	1-8-1983
11.	7771	Shri Sunder P. Punjabi 4203, Fairfax Circle, No. 3, Las Vegas, Nevada 89109 U.S.A.	1-8-1982
12.	8510	Shri Sailosh Muljibhai Patel, General Manager (Finance), EMCO Limited, P. Box No. 49759 Nairobi (Kenya).	1-8-1984
13.	9263	Shri V. Subramonia Iyer, 1185, Fair Weather Circle, Concord, CA 94518.	1-8-1984
14.	9647	Shri Jayendra Kantilal Gandhi, 110-35, 63rd Avenue, Forest Hills, New York 11375.	1-8-1984
15.	9745	Shri Surendra Dayabhai Patel, 41-50, 78th Street Apt. 608, Elmhurst, N.Y. 11373, U.S.A.	1-8-1984
16.	10066	Shri K.M. Jani, 79, State Avenue, Amherstburg, Ontario, Canada.	1-8-1983
17.	10119	Shri K. Rajendra Prasad, 210, Cashel Drive, Matawan, N.J. 07747 U.S.A.	1-8-1984
18.	10285	Shri Suresh Kumar Chugh, 57, Queenston Gardens, S.E. Calgary, Alberta-T2J-6N7 Canada.	1-8-1984

1	2	3	4
19.	10458	Shri Bankim Chandra Dalal, 1306, 79th Street North Vergen, N.J. 07047 U.S.A.	1-8-1984
20.	10630	Shri S.S. Panchal, 108-53, 62 Drive Apt. No. 8B, Forest Hills, N.Y. 11375, U.S.A.	1-8-1983
21.	10658	Sh. A.I. Desai, 4101, Park Drive, Country Club Hills, Ill 60477, U.S.A.	1-8-1984
22.	11241	Shri T.C. Sankarakumaraswamy Management Accountant, Kafue Textiles (Z) Ltd., P.O. Box 131, Kafue (Zambia).	1-8-1984
23.	11862	Shri D.S. Rao, I.D.M. Mzumbe, Morogoro, Tanzania.	1-8-1983
24.	13040	Shri Partha Ghose, 1617, Barclay, Cichardson, Texa 75081	1-8-1983
25.	13541	Shri R.C. Wazir, Londis Crampton House, High Street, Staple Hurst, Kent-England.	1-8-1983
26.	14853	Shri S.M. Talwalkar, C/o. Colgate Palmolive Ltd., P.O. Box 71584, Nodla-Zambia.	1-8-1983
27.	14978	Shri K.F. Gheyara, 6508, Wilton, Fort Worth, Texas 76133, U.S.A.	1-8-1981
28.	15447	Shri Ajit Singh Dutta, 301-N, Beauregard Street, Apartment 1005, Alexandria, Virginia 22312 U.S.A.	1-8-1984
29.	15661	Shri M.S. Shetty, P.O. Box No. 875, Doha (Qatar).	1-8-1983
30.	16577	Shri S.C. Sachdeva, P.O. Box 2245, Oakland, California 94614.	1-8-1983
31.	17978	Shri K.B. Keyal, Chief Finance & Accounts Division, Nepal Industrial & Development Corp., P. Box No. 10, Darbar Marg, Kathmandu, Nepal.	1-8-1984
32.	19024	Shri C.R. Ravichandran, Accountant, Whinney Murray & Co., Post Box 140, Manama (Bahrain)	1-8-1984
33.	19945	Shri Johnson David, P.O. Box No. 23382, Safat-Kuwait.	1-8-1984
34.	20889	Shri K.V.S. Kumar, C/o Eastern Michigan University, Ypsilanti-Michigan, U.S.A. 48197.	1-8-1983
35.	30548	Mrs. Rajeshwari Patel 3, Garrison Street, Chestnut Hill MA 02167 U.S.A.	1-8-1984

1	2	3	4
36.	31045	Shri K.A. Pedhiwala, Chief Accountant, Post Box No. 811 Abu-Dhabi (U.A.E.)	1-8-1984
37.	32550	Mrs. Vibhuti Vijay Bhuta 2033, Indiana Street West Couria, California-91792 (U.S.A.)	1-8-1984
38.	33102	Mrs. Kanchan M. Joshi 312, Susan Lane Apt. A., Rochester, N.Y. 14616 (U.S.A.)	1-8-1984
39.	33233	Shri A.M. Deshmukh, ETA/13, Engineering Cons- truction Bldg., Petroleum Development Oman P.O. Box 81 Muscat-Oman.	1-8-1984
40.	33565	Shri N. Muralidhar P.O. Box No. 874 Ikeja, Nigeria	1-8-1984
41.	493	Shri D.S. Trivedi 60, Somervell Road South Harrow Middlesex HA 2 8TT (U.K.).	1-8-1984

The 1st April, 1986

No. 3-NCA(5)/1/86-87.—With reference to this Institute's Notification Nos. 4CA(1)/16/78-79 dt. 29-1-79, 4CA(1)/19/79-80 dt. 15-3-80, 3NCA(4)/2/83-84 dt. 31-3-84, 3NCA(4)/10/38 84 dt. 31-3-84, 3CA(4)/2/83-84 dt. 31-3-84 4CA(1)/20/77-78 dt. 18-2-78, 4CA(1)/10/81-82 dt. 15-3-82, 4CA(1)/10/81-82 dt. 15-3-82 3CA(4)/13/82-83 dt. 15-3-83 and 4CA(1)/20/77-78 dt. 18-2-78, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has resorted to the Register of Members, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Restoration
1	2	3	4
1.	11564	Shri Abhay Nidhilal Gupta, ACA, C/o Mrs. Manju Gupta, P.O. Box 11243, Dubai - United Arab Emirates.	3-12-85
2.	16489	Shri Gajanan Neelkanth Thakur ACA Chief Accountant, Getco Holdings & Investments L.L.C., P.O. Box 84, Muscat (Sultanate of Oman)	16-12-85
3.	70576	Shri Brij Mohan Mangal, ACA C/o Sh. Ashok Mangal, Katewa Bhawan, M.I. Road, Jaipur-302001.	9-12-1986

CORRIGENDUM

1	2	3	4
4.	81845	Shri Ravinder Singh, ACA H. No. 39, Sector 28A, Chandigarh.	21-11-84
5.	82031	Shri Subhash Chandra Agarwal ACA M-42, Kalkaji, New Delhi-110019.	1-1-86
6.	17818	Shri Rama Nand Gupta, ACA Deputy Finance Manager, Engineering Projects (India) Ltd., P.B. No. 963, Central Post Office, Baghdad, IRAQ.	13-1-86
7.	14812	Shri Ranbir Singh Arora, ACA 15/1, Asaf Ali Road, New Delhi-110002.	24-2-86
8.	15162	Shri Pradeep Kumar Biswas, ACA 10-D, Nivedita Enclave, A-6, Paschim Vihar, New Delhi-110063.	17-2-86
9.	31076	Shri Sunil Chopra, ACA 213, Jor Bagh, New Delhi-110003.	4-3-86

No. 3NCA(8)/1/86-87—In pursuance of Regulation 10(1) (iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members has been cancelled from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold the same.

Sl. No.	Member-ship Number	Name and Address	Date of Cancellation
1	2	3	4
1.	83043	Shri Narendra Kumar Gupta, ACA 3270, Ranjit Nagar, Near Vivek Cinema, New Delhi-110008.	24-1-86
2.	70782	Shri Ram Krishan Haldia, ACA 114/4, Sugar Mill Colony, Yamuna Nagar-135001. (Haryana)	1-4-85
3.	84355	Shri Arun Bansal, ACA 6/7, Ansari Road, Delhi.	1-4-86
4.	84527	Shri Rajesh Kumar Agrawal, ACA A-60, Lok Vihar, Pitam Pura, Delhi-110034.	1-1-86
5.	84609	Shri Sanjeev Agrawal, ACA 507-B, Sector III, R.K. Puram, New Delhi-110022.	1-4-86

Notification No. 3 NCA(8)/2/86-87—In Notification No. 3NCA (8)/3/85-86 dated 15-11-85 cancelling the Certificate of Practice of the members on account of non-payment of prescribed Certificate of Practice fee, the name of Shri Narayan Dass Jain (M. No. 14479) 2557, Urban Estate, Phase-I, Dugri Road, Ludhiana included at Sr. No. 5 be treated as cancelled.

No. 3-NCA(8)/3/86-87—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with Regulation 10(2) (b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from the date mentioned against their name as they had not paid their annual fee for Certificate of Practice till the 31st day of July of the relevant year:—

Sl. No.	Member-ship Number	Name and Address	Date of Cancellation
1	2	3	4
1.	6506	Shri A. Krishnamoorthy, FCA 74 Ray Ave., Browns Ville, IX 78521 (U.S.A.)	1-8-1984
2.	11725	Shri Dhanendra Kumar Jain, ACA 48/1, Commercial Centre, Malcha Marg, Chanakyapuri, New Delhi-110021.	1-8-81
3.	13584	Shri Suresh Chandra Gajjar, ACA 9-U-A, Jawahar Nagar, Delhi-110007.	1-8-83
4.	14708	Shri Shridhar Ramachandra Tilwalli, ACA B-2/86, Safdarjang Enclave, New Delhi-110029.	1-8-83
5.	15765	Shri Vinayak Shankar Hasolkar, ACA C/o Maj. D.P. Dixit,, Jaiprakash Associates Pvt. Ltd. JA House, 63 Basant Lok, Vasant Vihar, New Delhi-110057.	1-8-85
6.	16028	Shri Kapil Kumar Gupta, FCA P.O. Box 540, Victoria Mahe, Seychelles.	1-8-85
7.	16488	Shri Rajan Kumar Chhabra, ACA N-156, Greater Kailash I, New Delhi-110048.	1-8-84
8.	18215	Shri A. Balasubramanian, ACA Manager (Credit Section) Punjab National Bank, Zonal Office, 396-A, Industrial Area, Loomba Mansion, Ludhiana-141003.	1-8-84
9.	70216	Shri Madan Lal Khunnah, ACA R-192, Greater Kailash I, New Delhi, 110048.	1-8-84

1	2	3	4	1	2	3	4																								
10.	80099	Shri Praveen Khurana, ACA M/s Everest Building Products Ltd., Ashok Bhawan, 6th—7th Floor, 93, Nehru Place, New Delhi-110019.	1-8-84	27.	83154	Shri Pawan Kumar ACA G-189, G Block, Paschim Vihar, New Delhi-110063.	1-8-84																								
11.	80293	Shri H.P.S. Manchanda, ACA Jawahar Mal Mansion, 3rd Floor, 3A/15, Asaf Ali Road, New Delhi-110002.	1-8-84	28.	83157	Shri Devinder Pal Singh, ACA 15, Hawkfield Rise N.W., Calgary, Alberta, T3G 1Z6, Canada.	1-8-84																								
12.	80465	Shri Vijay Kumar Garg, ACA House No. 797, Sector 15A, Faridabad.	1-8-84	29.	83222	Shri Vijay Joshi, ACA S-287, Greater Kailash I, New Delhi-110048.	1-8-85																								
13.	80838	Shri Vijay Chopra, ACA 15/69, Rajinder Nagar, New Delhi-110060.		30.	83491	Shri Sanjay Sakhuja, ACA R-85, Greater Kailash I, New Delhi-110043.	1-8-85																								
14.	81956	Shri Parveen Kumar Bansal, ACA 3420 Morning Star Dr., Apt 228, Mississauga, Ont. L4T 1X9, Canada.	1-8-85	31.	83527	Shri Hari Kumar Bali, ACA A-97, Inder Puri, New Delhi-110012.	1-8-85																								
15.	82088	Shri Rajesh Narain Gupta, ACA Sikka Mansion, 3, Bank Colony, Delhi-110092.	1-8-84	32.	83584	Shri Sonjoy Anand, ACA D1/161, Safa Marg, Chanakyapuri, New Delhi-110021.	1-8-85																								
16.	82189	Shri Satish Kumar Jain, ACA BX/448, Chowk Neem Wala, Ludhiana.	1-8-83	33.	83605	Shri D. Ranganathan, ACA 12B, Pocket I, Mayur Vihar, Delhi-110091.	1-8-85																								
17.	82286	Shri Virender Pal Lakhi, ACA A.A.O. (Accounts), L.I.C. of India, Divisional Office, Jalandhar.	1-8-84	34.	83782	Shri Vidyadhar Mamtani, ACA 5/20, Old Rajender Nagar, New Delhi-110060.	1-8-85																								
18.	82416	Shri Atul Pasricha, ACA B-27, Lajpat Nagar III, New Delhi-110024.	1-8-84	35.	84024	Shri Sharad Tandan, ACA N-46, Panchshila Park, New Delhi.	1-8-85																								
19.	82477	Shri Ashok Kumar, ACA 1669 D, Dakhnirai Street, Darya Ganj, New Delhi-110002.	1-8-85	36.	84291	Shri Kanchan Sarkar, ACA G-1303, Chittaranjan Park, New Delhi-110019.	1-8-85																								
20.	82546	Shri Sachida Nand Bansal, ACA M/s Babu Ram Man Mohan, Bhadra Bazar, Parkhan Street, Sirsa-125055. (Haryana)	1-8-84	<div>R. L. CHOPRA, Secretary.</div> <div>Bombay, the 31st March 1986</div> <div>No. 3WCA(8)/9/85-86—In Pursuance of Regulation 10(1)(iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following Members have been cancelled from the dates, mentioned against their names, as they do not desire to hold the same :—</div>																											
21.	82549	Shri Naresh Dayal Mathur, ACA 103, Banarsi Das Estate, Delhi-110007.	1-8-85																												
22.	82663	Shri Mukesh Kumar Gupta ACA 71, New Krishna Nagar, Near Ashok Gali, Ram Nagar, Delhi-110051.	1-8-85	<table><tr><th>Sr. No.</th><th>M. No.</th><th>Name & Address</th><th>Date of Cancella- tion</th></tr><tr><th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th></tr><tr><td>1.</td><td>5549</td><td>Shri S. M. Patil, ACA, 705, Stock Exchange Towers, Apollo Street, Fort, Bombay-400023.</td><td>1-10-85</td></tr><tr><td>2.</td><td>12463</td><td>Shri K. R. Sheth, FCA, 416, Rex Chambers, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038</td><td>1-10-85</td></tr><tr><td>3.</td><td>13878</td><td>Shri D. J. Shukla, FCA, 203, Kshyamalaya, 37, New Marine Lines, Bombay-400020</td><td>13-11-85</td></tr><tr><td>4.</td><td>14440</td><td>Shri K. N. Sanjanwala, ACA 4-16, Ram Jharukha, S. V. Road, Andheri (West) Bombay-400058</td><td>29-10-85</td></tr></table>				Sr. No.	M. No.	Name & Address	Date of Cancella- tion	1	2	3	4	1.	5549	Shri S. M. Patil, ACA, 705, Stock Exchange Towers, Apollo Street, Fort, Bombay-400023.	1-10-85	2.	12463	Shri K. R. Sheth, FCA, 416, Rex Chambers, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038	1-10-85	3.	13878	Shri D. J. Shukla, FCA, 203, Kshyamalaya, 37, New Marine Lines, Bombay-400020	13-11-85	4.	14440	Shri K. N. Sanjanwala, ACA 4-16, Ram Jharukha, S. V. Road, Andheri (West) Bombay-400058	29-10-85
Sr. No.	M. No.	Name & Address	Date of Cancella- tion																												
1	2	3	4																												
1.	5549	Shri S. M. Patil, ACA, 705, Stock Exchange Towers, Apollo Street, Fort, Bombay-400023.	1-10-85																												
2.	12463	Shri K. R. Sheth, FCA, 416, Rex Chambers, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038	1-10-85																												
3.	13878	Shri D. J. Shukla, FCA, 203, Kshyamalaya, 37, New Marine Lines, Bombay-400020	13-11-85																												
4.	14440	Shri K. N. Sanjanwala, ACA 4-16, Ram Jharukha, S. V. Road, Andheri (West) Bombay-400058	29-10-85																												
23.	82752	Shri S. Gitanjali Rajan, ACA B-1/49/1, Safdarjang Enclave, New Delhi-110029.	1-8-84																												
24.	82774	Shri Sanjeev Puri, ACA Cottage No. 25, West Patel Nagar, New Delhi.	1-8-85																												
25.	82855	Shri Abhijit Singh, ACA J-3/46-A, Rajouri Garden, New Delhi-110027.	1-8-85																												
26.	83112	Shri Rajiv Tandon, ACA D-361, Defence Colony, New Delhi-110024.	1-8-85																												

1	2	3	4
5.	15335	Shri B.M. Shah, FCA A-11, Ram Jharukha, S.V. Road, Andheri (West), BOMBAY-400 058.	29-10-85
6.	16908	Shri S. K. Gupta, FCA, 322, Ajanta Shopping Centre, & Textile, Arcode, Surat-395002.	1-11-85
7.	34170	Shri S. N. Doshi, ACA, 21, Dagachambers, 2nd Floor, 11, Narayan Dhuru Cross Lane, Bombay-400003	1-1-86

The 29th April 1986

No. 3 WCA (4)/1/86-87—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (i) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 the council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from the dates mentioned against their names the names of the following Gentlemen :—

Sl. No.	M. Ship No.	Name and Address	Date of removal
1.	2782	Shri J. P. Thakkar, "Kum-Kum" Opp. Lohana Boarding, Prof. Manekrao Road, Vadodara-390001.	9-11-85
2.	4382	Shri V. Shivaramkrishnan, 4, Nandkarn Co-op. Hsg. Society Behind Oscar Cinema, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-400058.	6-11-85
3.	5842	Shri K. K. Pai, Sharp & Tannan, Bank of Baroda Building, Bombay Samachar Marg, Bombay-400023.	11-4-86

No. 3.WCA(4)/2/86-87—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub section (i) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 the council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on request, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following Gentlemen :—

Sl. No.	M. Ship No.	Name. and Address	Date of removal
1.	2864	Shri K. P. Golvala, 809, Cambolla Crest, 42, Pedder Road, Bombay-400026	1-4-86
2.	5475	Shri B. R. Engineer Khare Ghat Colony Block No. 20, Hughes Road, Bombay-400007.	1-4-86
3.	7804	Shri G. P. Sadhavani, Mulund Hill View Co-op. Hsg. Society Ltd., C-6, 'Jyoti' 2nd Floor, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (West) Bombay-400080.	1-4-86

1	2	3	4
4.	17464	Shri J. P. Billimoria, Kismat Building, Opp. Sasson Dock, 3rd floor, No. 4, Coloba, Bombay-400005.	1-4-86

R. L. CHOPRA
Secretary,

Calcutta-700071 the 31st March 1986

No. 3ECA/4/9/85-86—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1) (a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, the name of the following member with effect from the date mentioned against his name :

Sl. No.	Membership Number	Name and address	Date of removal
1.	1887	B. C. Chakraborty, M/s. B. Chakrabarty & Co., Chartered Accountants 16B, Bipin Pal Road, Calcutta-26.	15-2-86

No. 3ECA/8-9/85-86 -In pursuance of Regulation 10(1) (iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate/s of Practice issued to the following members have been cancelled as they do not desire to hold the same :—

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date of Cancellation
1.	572	Shri S. Bose, ACA Flat 1005, Middleton Court, 4/2, Middleton Street, Calcutta-700071.	15-3-86
2.	6576	Shri Rana S. J. B. Singh, ACA, Secretary/Chief Finance Manager, Coal India Ltd., 10 N. S. Road, Calcutta-700001.	1-4-85
3.	24192	Shri P. Gopinath, ACA, Accounts Officer, TISCO Bearing Division, Nimpura Industrial Estate, Khargpur-721301 Dt. Midnapore.	16-10-85
4.	52622	Shri A. K. Biswas, ACA 78 Pearce Road, Liluah, Howrah.	31-3-86

No. 3ECA(5)(15)/85-86—With reference to this Institute's Notification No. 3ECA/4/12/84-85 dated 31-3-84 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, the name of the following member with effect from the date mentioned against his name :—

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date
1.	15083	Shri Subrata Kumar Das, ACA, 35A, Indrani Park, P. O. Tolly- gunge, Calcutta-700033.	21-3-86

The 1st April 1986

No. 3ECA/4/1/86-87.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(c) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of non-payment of the prescribed fees the name of the following member with effect from the date mentioned against his name :—

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date
1.	1423	Shri P. Chakraborti, 269/1, Jodhpur Park, Calcutta-700031.	1-8-1986

R. L. CHOPRA,
Secretary

Madras-600 034, the 1st April 1986

No. 3SCA(4)/1/86-87.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (b) of Sub Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute at his own request with effect from 1st April 1986 the name of Shri A. H. Whatmore, Orchard Annexe, Tapps Road, Kodaikanal-624 101 Tamil Nadu.

His Membership Number is 1016.

R. L. CHOPRA
Secretary

Kanpur-208 001, the 31st March 1986

No. 3-CCA(4)/7/85-86.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(c) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Member of this Institute on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following Members with effect from the dates mentioned against their names :—

Sl. No.	Member-ship No.	Name & Address	Date
1	2	3	4
1.	971	Shri Ramakant Vinayak Rao, Pandit, 73, Roop Ram Nagar, Colony, Manik Bag Road, INDORE.	1-8-1985
2.	4079	Shri Shree Ram Singh, Dy. Chief Finance Manager, Area Accounts Office (A), Central Coal Fields Ltd., Post Argada, Distt. HAZARIBAGH (Bihar).	1-8-1985
3.	5934	Shri Krishna Gopal Varshney, 73, Aish Bagh, Old Colony, LUCKNOW-4	1-8-1985
4.	6405	Shri Bhola Tiwary, Financial Controller, Bihar State Co-operative Marketing Union Ltd., PATNA.	1-8-1985

1	2	3	4
5.	7030	Shri Kailash Narain Mathur, Chief Manager (R. R. Bs), Bank of Baroda, Zonal Office, 1st Floor, L.I.C. Investment Bldg., 45, Hazratganj, LUCKNOW.	1-8-1985
6.	8490	Shri Surender Kumar Sakhuja, Life Insurance Corporation of India, Jeevan Prakash, Prabhat Nagar, Post Box No. 69, MEERUT - 250 001.	1-8-1985
7.	8899	Shri Shyam Bahadur Kunwar, Manager (Accounts), L. I. C. of India, Divisional Office, 19, Mahatma Gandhi Road, INDORE.	1-8-1985
8.	9517	Shri Surinder Kumar, 70, Satish Park, MODINAGAR.	1-8-1985
9.	10754	Shri Dinesh Prasad Shrivastav, Financial Adviser-cum-Chief Accounts Officer, Bihar State Sugar Corpn. Ltd., Harihar Bhawan, Boring Canal Road, PATNA.	1-8-1985
10.	11002	Shri A. C. Shivakumara Swamy, Branch Manager, Vijaya Bank, Hazaratganj, LUCKNOW.	1-8-1985
11.	12380	Shri Santosh Kumar Choudhary, Sector III/B, Quarter No. 365, P. O. B. S. City, DHANBAD.	1-8-1985
12.	12658	Shri Gulshan Kumar Buttan, Branch Manager, Central Bank of India, G. T. B. Complex, T. T. Nagar, BHOPAL.	1-8-1985
13.	13056	Shri Atma Ram Bankeraika, C-739, Sector C, Mahanagar, LUCKNOW.	1-8-1985
14.	14424	Shri Rajendra Prasad Khandelwal, Jamuna Bhawan, 35, Itwara Road, BHOPAL.	1-8-1985
15.	14474	Shri Lalit Mohan, Deputy Director (I), Company Law Board, 10/499-B, Allenganj, KANPUR.	1-8-1958
16.	16516	Shri Keeranathan Balasubramaniam Radhakrishnan, D-80, Sector III-A, Kherti Nagar - 333 504 Distt. JHUNJHUNU.	1-8-1985
17.	17343	Shri Umesh Chandra Agrawal, Special Accounts Officer, U.P. State Electricity Board, Vidyut Colony, Govind Nagar, KANPUR.	1-8-1985
18.	18969	Shri Gunturu Subbiah Sastry, Superintendent, Union Bank of India, Zonal Office, Hotel Clarks Awadh, LUCKNOW - 226 001.	1-8-1985

1	2	3	4
19.	21009	Shri Damodar Prasad Modani, Costing Department, Shriram Fertilizers & Chemicals, Shri Ram Nagar KOTA	1-8-1984
20.	50876	Shri Kamal Kumar Niyogi, C/o. Indian Copper Complex-832 303 Distt. SINGHBHUM GHATSILA	1-8-1985
21.	70082	Shri Girraj Prasad Sodhani, 41, Gangwal Park, Moti Dungari Road, JAIPUR-4	1-8-1985

R. L. CHOPRA,
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION New Delhi, the 13th May 1986

No. N-15/13/10/1/85-P & D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-5-1986 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Orissa Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1951., shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Orissa namely :

"The area comprised of the revenue villages of—

1. Chhancha out of Municipal area & within the Urban area of Baripada.
2. Hemchandrapur out of Municipal area & within the Urban area of Baripada.
3. Baripada including the municipal area of Baripada.
4. Bijay Ramchandrapur out of Municipal area & within the Urban area of Baripada and
5. Kathpal—under Betnoti, Tehsil in the D.stt. of Mayurbhanj."

No. N-15/13/14/3/86-P & D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-5-1986 as the date from which the Medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely :—

"The areas comprising Karugambathur Revenue village of Vellore Taluk in North Arcot Distt."

M. SUBBA RAO
Director (Plg. & Dev)

CENTRAL COUNCIL OF INDIAN MEDICINE

Central Council of Indian Medicine (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986

New Delhi-110055, the 15th May 1986

No. 8-3/86-Regc. —In exercise of the powers conferred by clause (i) of section 36 of the Indian Medicine Central Council Act 1970 (48 of 1970) and in supersession of all the previous regulations made under said clause (i), except anything done or omitted to be done before such supersession, the Central Council of Indian Medicine, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations namely :—

1. Short-title . . . These regulations may be called the Indian Medicine Central Council (Minimum standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986.

2. Commencement These shall come into force with immediate effect.

3. Definitions (1) Unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970).

(b) "The Central Council" means the Central Council of Indian Medicine constituted under section 3 of the Act.

(c) "Recognised institution" means an approved institution as defined under clause (a) of sub-section (i) of section 2 of the Act.

(d) "Schedule" means Schedule attached to these regulations;

(2) The words and expressions used in these regulations but not defined shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

4. Minimum standards of education in Indian Medicine :

The minimum standards of education in Indian Medicine required for granting recognised medical qualifications by Universities, Boards or Medical institutions in India for Ayurveda, Siddha and Unani Tib shall be as specified in Schedule-I, Schedule II and Schedule III.

5. Minimum standards for Ayurvedacharya Course :

The minimum standards for the course of Ayurvedacharya shall be as specified in Schedule I.

6. Minimum standards for Siddha Muruthuva Arigner Course :

The minimum standards for the course of Siddha Muruthuva Arigner shall be as specified in Schedule II.

7. Minimum standards for the course of Kamil-e-tib-o-Jarahat :

The minimum standards for the course of Kamil-e-tib-o-Jarahat shall be as specified in Schedule-III.

R. K. JAIN

Registrar

Central Council of Indian Medicine

SCHEDULE I

(See regulation 5)

MINIMUM STANDARDS FOR AYURVEDACHARYA COURSE

1. AIMS AND OBJECTIVES :

"The Ayurvedic education should aim at producing graduates of profound scholarship having deep basis of Ayurved with scientific knowledge in accordance with Ayurvedic fundamentals who would be able and efficient teachers, research workers and Kayachikitsakas (Physicians) and Shal-vachikitsaks (Surgeon) fully competent to serve in the medical and health services of the country."

2. ADMISSION QUALIFICATIONS :

- (i) "Intermediate/12th Standard with Science (Physics, Chemistry and Biology) and Sanskrit. Wherever provision and facilities for teaching Sanskrit as optional subject are not available at Intermediate/12th standard (Biology Science Group), the students with Intermediate/12th Standard (Biology Science Group) be admitted and Sanskrit be taught in main course.

OR

Uttar Madhyama of Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyala with Science and English.

OR

Any other equivalent qualification recognised by State Governments and State Education Boards concerned with the examination.

- (ii) The Pre-Ayurved course of one year duration in respect of Uttarmadhyama or Higher Secondary/P.U.C. preferably with Sanskrit or an examination equivalent thereto and Pre-Ayurved Course of two years duration in respect of Purvamadhama or S.S.I.C./Matriculation preferably with Sanskrit or an examination equivalent thereto, however, will also continue for a further period of five years.

3. MINIMUM AGE FOR ADMISSION :

- (a) 15 years as on 1st October in the year of admission for first year of Pre-Ayurvedic Course.
- (b) 16 years as on 1st October in the year of admission, for Second year of Pre-Ayurvedic Course.
- (c) 17 years as on 1st October in the year of admission for Main Ayurvedic Course.

4. DURATION OF COURSE :

- (a) Pre-Ayurvedic Course . . . 2/1 years
- (b) Main Course 5 years
- (c) Internship 6 months

5. Degree to be awarded after successful completion of Course

Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery).

6. Medium of Instruction

Sanskrit, Hindi or any recognised regional language.

7. Minimum number of students to be admitted in an Ayurvedic College

The minimum number of students to be admitted in an Ayurvedic College should be 20 for the time being.

8. Subjects of teaching and Examination :

Subjects of Examination Pre-Ayurvedic Course	Subject of teaching
(1)	(2)
1. Sanskrit	1. Sanskrit
2. Prarambhik Padartha Vigyan	2. Prarambhik Padartha Vigyan

1	2	3	4
3. Udbhujang Pratyangya Vigyan		3. Udbhujang dbhratgaoga Vigyan	
4. Prarambhik Rasashastra Parichya		4. Pararambhik Rasashastra Parichya	
5. Ayurved Itihas & Ayurved Parichaya		5. Ayurved Itihas afid Ayurved Parichaya	

Main Ayurvedic Course**First year**

- | | |
|---------------------|------------------------------------|
| 1. Padarthavigyan | 1. Padarthavigyan |
| 2. Astanga Sangraha | 2. Astanga Sangraha (Sutrasthanam) |
| | 3. Sharirachana Vigyan |
| | 4. Sharirikriya Vigyan |
| | 5. Svasthavritta |

Second year**Subjects of Examination**

1. Sharirachana Vigyan
2. Sharirikriya Vigyan
3. Swasthavritta (with relevant portions of yoga & nature cure)

Subjects of teaching

1. Sharirachana Vigyan
2. Sharirikriya Vigyan
3. Swasthavritta (with relevant portions of Yoga & Nature Cure)
4. Dravyaguna Vigyan
5. Rasashastra
6. Bhaishajyakalpana
7. Roga Vigyan & Vikriti Vigyan

Third year

- | | |
|-------------------------------------|--------------------------------------|
| 1. Dravyaguna Vigyan | 1. Dravyaguna Vigyan |
| 2. Rasashastra & Bhaishajya—Kalpana | 2. Rasashastra & Bhaishajya Kalpana. |
| 3. Roga Vigyan & Vikriti Vigyan | 3. Roga Vigyan & Vikriti Vigyan |
| 4. Agadtantra & Vyavahara-yurveda. | 4. Agadtantra & Vyavahara-yurveda. |
| | 5. Prasuti Tantra & Stri roga |

Fourth year

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| 1. Charaka Samhita (Purvardha) | 1. Charaka Samhita (Purvardh) |
| 2. Prasuti Tantra & Stri Roga | 2. Prasuti tantra & Stri roga |
| 3. Kaumarabhritya | 3. Kaumarabhritya |
| | 4. Kayachikitsa |
| | 5. Shalakya tantra |
| | 6. Shalaya tantra |

Fifth year

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| 1. Charaka Samhita (Uttarardh) | 1. Charaka Samhita (Uttarardh) |
| 2. Kayachikitsa | 2. Kayachikitsa |
| 3. Shalaya tantra | 3. Shalyatantra |
| 4. Shalakya tantra | 4. Shalakya tantra |

9. Scheme of examination

The examination for each subject should be held twice in a year in the month of November and April. The question papers shall be in simple Sanskrit but these can be answered in Sanskrit or Hindi or in a recognised regional language which may be the medium of teaching.

10. Number of papers and marks for each subject

Subject	Theory		Practical/ Oral	Total Mks
	Number of Papers	Marks		
1	2	3	4	5
Pre-Ayurvedic Subjects				
1. Sanskrit	1st paper 2nd paper 3rd paper	100 100 100	50	350
2. Prarambhik Padartha Vigyan	1st paper 2nd paper	100 100	50	250
3. Udbhijang Pratyang Vigyan	One paper	100	50	150
4. Prarambhik rasashastra Parichya	one paper	100	50	150
5. Ayurved Itihas & Ayurved Parichya	One paper	100	—	100
MAIN AYURVEDIC SUBJECTS				
1. Padartha Vigyan	One paper	100	50	150
2. Astanga Sangraha	One paper	100	—	100
3. Sharira achana Vigyan	1st paper 2nd paper	100 100	200	400
4. Sharirakriya Vigyan	1st paper 2nd paper	100 100	200	400
5. Syasthavritta	1st paper	100	—	100
(a) Samajika & roganutpadaka	50	100	50	250
(b) Vaiyaktika	50	100		
(c) Yoga & Nisargopachara	50	100		
(d) Aharavdhi/Nutrition	50	100		
6. Dravyaguna Vigyan	1st paper 2nd paper	100 100	150	350
7. Rasashastra & Bhaishajya-Kalpana	1st paper 2nd paper	100 100	150	350
8. Roga Vigyan & Vikritivigyan	1st paper 2nd paper	100 100	100	300
9. Charakasamhita (Purvardha)	One paper	100	—	100
10. Prasuti tantra & Stri roga	1st paper 2nd paper	100 100	100	300
11. Kaumarabhritya	One paper	100	50	150
12. Agadatantra & Vyavharayurveda	One paper	100	50	150
13. Charakasamhita (Uttarardha)	One paper	100	—	100
14. Kaya Chikitsa	1st paper	100	200	600
(a) Chikitsa Sidhanta	50	100		
(b) Siddha Chikitsa	25			
(c) Unani Chikitsa	25			
Jvaradhi Roga Chikitsa	50	100		
(a) Vatavyadhyadi Chikitsa	50	100		
(b) Manasroga Bhutavidya & Yoga Chikitsa	30			
(c) Atyayika Chikitsa	20			
(a) Panchakarma	50	100		
(b) Kasayan	25			
(c) Vajikarana	25			
15. Shalya tantra	1st paper 2nd paper	100 100	100	300
16. Shalakya tantra	1st paper 2nd paper	100 100	100	300

11. Pass Marks

The pass marks for each subject shall be 50 percent in

practical and theory separately. 75 percent and above marks in the subject will indicate distinction in the subject

12. Number of lectures, practicals and demonstrations for various subjects year-wise.

Pre-Ayurvedic Course

Subjects	Two years theory	Course Practical	One year theory	Course Practical
1	2	3	4	5
1. Sanskrit	450	—	300	—
2. Prarambhik padarth Vigyan	300	100	200	50
3. Udbhijang pratyang Vigyan	200	100	100	50
4. Prarambhik Rasashastra Parichaya	200	100	100	50
5. Ayurvedi it has and Ayurveda parichaya	150	—	100	—

Main Ayurvedic Course

Subjects	Lectures	Practicals	Demonstrations
1	2	3	4
First Year			
1. Padarthavigyan	125	—	—
2. Astang Sangraha	100	—	—
3. Sharirachana Vigyan	100	75	—
4. Sharirkriya Vigyan	75	20	20
5. Svasthavritta	50	—	—
Second Year			
1. Sharirachana Vigyan	100	75	—
2. Sharirkriya Vigyan	75	20	20
3. Svasthavritta	50	50	—
4. Dravyaguna Vigyan	100	20	10
5. Rasashastra	65	50	10
6. Bhaishajyakalpana	65	50	10
7. Rogavigyanam & Vikritivigyan	100	50	—
Third Year			
1. Dravyaguna Vigyan	100	40	30
2. Rasa Shastra	65	55	10
3. Bhaishajyakalpana	65	55	10
4. Roga Vigyan & Vikritivigyan	150	100	—
5. Agadatantra & Vyavaharayurveda	100	50	—
6. Prasutitantra & Striroga	100	50	—
Fourth Year			
1. Charaka Samhita	100	—	—
2. Prasuti tantra & Stri roga	100	50	—
3. Kaumarabhritya	100	50	—
4. Kayachikitsa	100	50	—
5. Shalayatana	50	25	—
6. Shalakyatantra	50	25	—
Fifth Year			
1. Kayachikitsa	200	100	—
2. Shalakyatantra	100	75	—
3. Shalya tantra	100	75	—
4. Charaka Samhita	100	—	—

The period of theory and practical shall not be of less than 45 minutes duration. The duration of the practical of

Clinical subjects and Rachana Sharira (Dissection) shall be of atleast one and half (1½) hours.

NOTE:— The Clinical training in hospital to the students in the 3rd, 4th and 5th year shall be as below:—

- Kayachikitsa indoor and outdoor wards 10 months
- Shalya tantra indoor and outdoor wards 8 months
- Shalakyatantra indoor and outdoor wards 3 months
- Prasuti tantra indoor and outdoor words 3 months
- Kaumarabhritya 1 months
- Panchakarma 1 month
- Mansik rogas 1 month
- Sankramaka rogas (Including kahaya & Kushta rogas) 1 month

13. *Qualifications prescribed for Teaching Staff :**Essential :*

- (a) Degree/diploma in Ayurved from a University established by law or a statutory Board/Faculty/Examining Body of Indian Medicine or equivalent.

OR

Ayurvedacharya of All India Ayurved Vidyapeeth.

OR

Other eminent Ayurvedic scholars of established repute though not having any degree/diploma, but fit for teaching Ayurvedic subjects.

- (b) Teaching experience in any institution for ten years, five years and three years for the post of Professor, Reader and Lecturer respectively.

- (c) *Knowledge of Sanskrit*

Desirable :

- (a) Post-graduate qualification in Ayurved from a recognised institution/university established by law.
(b) Original published papers/books on the subject.

SCHEDULE II

(See regulation 6)

MINIMUM STANDARDS FOR SIDDHA MARUTHUVA ARIGNER COURSE*Aims and Objects of Siddha Education*

1. Aims and Objects of Education in Siddha Scheme as recommended by the Committee for Siddha relating to minimum standard of education to make available rational and efficient practitioners who will render medical relief on the basis of the principles and therapy and the system. The practitioners should also be in a position to render emergency treatment.

2. To provide competent and suitable personnel who would undertake teaching and research work in the College of Siddha Medicine.

3. To produce basic doctors with a good knowledge of Noi Ila Nari and Ethirathukathal, so as to enable them to serve in Medical and Health Services.

I. ADMISSION QUALIFICATION

(i) The S.S.L.C. passed candidates should pass Part III advance Tamil of P.U.C. in the entrance Examination for the BSMS Course of B.A. or B.Sc. students having passed Tamil Completely or a certificate of pass in Advance Tamil only under Part III of the Pre-University.

(ii) AGE

To have completed the age of 15 years and six months on the 15th day of July of the year of admission to the course.

(iii) DURATION OF THE COURSE

The course shall be of 5½ years duration including six months internship.

- | | |
|-------------------------------|----------|
| (a) First B. S. M. S. course | 1 year |
| (b) Second B. S. M. S. Course | 1 years |
| (c) Third B. S. M. S. Course | 1½ years |
| (d) Final B.S.M.S. | 1½ years |
| (e) Internship | 6 months |

DEGREE AFTER INTERNSHIP**(iv) NAME OF THE DEGREE**

The graduate course will lead to the Siddha Maruthuva Arigner, Bachelor of Siddha Medicine and Surgery (B.S.M.S.) which shall be conferred on the candidate after he or she has successfully passed the qualifying examination and produced a certificate of Internship of 6 months in a recognised Hospital in Indigenous Systems of Medicine.

(v) BODY TO REGULATE THE COURSE

Central Council of Indian Medicine established under Act of 1970 will accord recognition and regulate the undergraduate and Post-graduate courses with a view to maintain uniform standards.

(vi) EXAMINING BODY

The recognised University to which the College of Indian Systems of Medicine is affiliated shall be the Examining Body.

(vi) (a) MEDIUM OF INSTRUCTION

Tamil shall be the medium of instruction for the course.

(vii) EXAMINATIONS

The graduate courses shall have the examinations as follows :—

- (a) First B.S.M.S. Examination : at the end of three academic terms or one year after admission.
(b) Second B.S.M.S. Examination : at the end of three academic terms or one year after the First B.S.M.S. Examinations.
(c) Third B.S.M.S. Examination : at the end of Five academic terms or one and half year after the 2nd B.S.M.S. Examination.
(d) Fourth B.S.M.S. examination : at the end of 4 Academic terms or one and half years after the 3rd B.S.M.S. Examination.
(e) There shall be three examination in a year i.e. in October, December and April.

COURSE OF STUDY—FIRST B.S.M.S.

A candidate before presenting himself for the first B.S.M.S. Examination shall produce certificates of having attended the recognised course of instruction in the following subjects.

- (i) A course of Lectures in Thotra Kiraman and Maruthuva varalaru extending over a period of three terms (about 216 hours).
(ii) A course of Lectures, Demonstrations, practicals in Maruthuva Thavara Iyal extending over a period of three terms (about 252 hours).
(iii) A course of Lectures and Demonstrations in Vedhiyal extending over a period of three terms (about 144 hours).
(iv) A course of Lectures & Demonstration in Bourthingam extending over a period of three terms (about 144 hours).
(v) A course of Lectures, Demonstrations in Valangiyal extending over a period of three terms (about 108 hours).
(vi) A course of Lectures and Demonstrations in Udali-Koorugal extending over a period of six terms—spread over first and second years of study (first course about 144 hours) which shall also include the dissection of whole human body.
(vii) A course of Lectures on Udai-Thathtuvam extending a period of Six terms—spread over First and Second years of Study (First Course about 7 hours) which shall also include selected practical classes
(viii) A course Lectures and practicals on Gunapadam Mooligai extending over a period of six terms—Spread over First and Second years of Study (First Course about 144 hours).
(ix) A course of Lectures and practicals on Gunapadam-Thattho Janramam extending over six terms—Spread over a period of First and Second years of study (First Course about 72 hours).

Scheme of Examinations : for First B.S.M.S. shall consist of three parts which may be taken at the end of three terms of study.

PART—I

	Hours	M
Thotra Kiramam Arachi & Maruthuva Varalaru :		
Written	3	10
Oral	—	50

PART-II

1. Maruthuva Thavara :		
Written	3	100
Practical	3	100
Oral	—	50
2. Vilangu Iyal :		
Written	3	100
Oral	—	50

PART-III

1. Vedhijyal :		
Written	3	100
Oral	—	50
2. Bothikam :		
Written	3	100
Oral	—	50

Submission of Laboratory Note Book : A candidate shall bring to the practical examination on the subjects included under part II (i) for the inspection of the Examiners their original practical record note books, practical sheets, certified by their Lecturer as being the actual working note made by the Candidate in the practical class.

Candidates may be permitted the use of their practical note books or sheets at the practical examinations. At the practical and oral Examinations reference may be made by the examiners to the candidates class records.

ELIGIBILITY FOR ADMISSION :

Period of study. No candidate shall be admitted to any part of the Examination unless :

1. He has produced satisfactory evidence of having complied with the provisions regarding age limit for admission and,

2. He has produced the prescribed certificates of study.

CERTIFICATE OF ATTENDANCE : Candidates must put in a minimum of 80% of attendance in all the subjects.

MARKS QUALIFYING FOR A PASS : A candidate shall be declared to have passed First B.S.M.S. Examinations if he obtains not less than one half of the marks in the written and oral Examinations taken together in each of the subjects of Part I, II, III and not less than one half of the marks in the practical examination in Part II (i) Maruthuva Thavara Iyal.

All the other candidates shall be deemed to have failed in the Examinations.

EXEMPTION FROM RE-EXAMINATION IN SUBJECTS :

Candidates who fail in the Examinations but obtain pass marks in any subject shall be exempted from re-examination in that subject.

FURTHER STUDY FOR FAILED CANDIDATES : Candidates who fail in any subject shall be required to produce a certificate of further study for a period which shall extend upto the next succeeding examination.

SECOND B.S.M.S. EXAMINATION :

A candidate before presenting himself for the Second B.S.M.S. Examinations shall produce a certificate of having passed the First B.S.M.S. Examination and subsequently attended the recognised course of instructions in the following subjects :—

- I. A course of Lectures and Demonstrations in Udal Koorugal extending over a period of three terms about (432 hours) and also include the dissection of the whole Human Body (Second Course).
- II. A course of Lecture on Udal-Thathuvam extending over three terms (about 216 hours) which shall also include selected practical classes.
- III. A course of Lectures and conducted practicals in Gunapadam (Mooligai) extending over a period of three terms about (432 hours Second Course).
- IV. A course of Lectures and Conducted practicals in Gunapadam (Thathu Jangamam) extending over a period of three terms (above 216 hours Second Course).

SCHEME OF EXAMINATIONS : Second B.S.M.S. Examination shall consist of two parts.

PART—I

(i) Udal Koorugal :		
Written	3	100
Oral	—	50
Practical	3	100
(ii) Udal Thathuvam :		
Written	73	100
Oral	—	50

PART—II

(i) Gunapadam Mooligai :		
Written	3	100
Oral	—	50
Practical	3	100
(ii) Gunapadam (Thathu Jangamam)		
Written	3	100
Oral	—	50
Practical	3	100

NOTE : A course of instruction on Gunapadam (Mooligai and Thathu Jangamam) shall include demonstrations and preparations of various kinds of recipies and attendance in the pharmacy for a period on one term.

SUBMISSION OF LABORATORY NOTE BOOK : The candidate shall bring to the practical examination on the subjects included under Part II for inspection of the Examiners their original practical record note books and practical sheets certified by the Lecturers as being the actual working notes made by the candidates in the practical class.

Candidates may be permitted the use of practicals note books or sheets at the practical Examination. At the practical and Oral Examination reference may be made by the examiners to the candidates class records.

EXAMINATIONS MAY BE TAKEN IN PARTS OR IN WHOLE CONDITIONS :

Candidates may present themselves for the whole Examination at one time or may take them in two parts provided that the examinations are taken after six terms of study is completed subject to passing the first B.S.M.S. Examination.

A candidate for the Second B.S.M.S. Examination shall be declared to have passed Part I of the Examination, if he obtains not less than one half of the marks in the written and oral examinations taken together in each of the subjects.

A candidate shall be declared to have passed Part II of the examinations if he obtains not less than one half of the marks in the written and oral examinations taken together in each of the subjects, and not less than one half of the marks in the practical examination in these subjects.

All other candidates shall be deemed to have failed in the Examination.

EXEMPTION FROM RE-EXAMINATION IN THE SUBJECT:

Candidates who fail in the examination but obtain pass marks in subject shall be exempted from re-examination in that subject.

FURTHER STUDY FOR FAILED CANDIDATES: Candidates who failed in any subject or subjects shall be required to produce a certificate or further study for the period which shall extend to the next succeeding examination.

THIRD B.S.M.S. EXAMINATION:

A candidate before presenting himself for the Third B.S.M.S. Examination:—

- Shall produce certificate of having passed the Second BSMS Examination.
- Has been engaged in the study of the following subjects:—

1. A course of Lectures and Demonstration in Noi-Anguga Vithi Ozhukkam. Noyai-Ethirathu Kathal: and Pothu Nal Vazvu :- Extending over a period of five terms (about 80 hours).

2. A course of lectures and demonstrations in Noi Nadal, Noi mudal Nadal (including envagaitherthal) extending over a period of five terms (about 360 hours) which shall include demonstrations of Munkirumigal and Verithaigal etc.

3. A course of Lectures and Demonstrations in Nanju Nool and Maruthuva Needhi Nool extending over a period of five terms (about 180 hours) which shall include demonstrations of Pina Parisothanal.

4. Attended the First course Lectures and Clinical Training in Siddha Maruthuvam extending over a period of five terms (about 300 hours) which shall include Noigaligyin parisothanal.

5. Attended the First course of Lectures and Clinical training in Siddha Aruvai Maruthuvam extending over a period of five terms (about 240 hours) which shall also include Muthal Udavi and Patil Kattudhal.

6. Attended the First course of Lectures and clinical training in Sool Maruthuvam and Karplini Tharkappu extending over a period of five terms (about 180 hours) which shall also include the study of Karu Urpathi.

NB: Items (iv) (v) & (vi) are not for Third B.S.M.S. scheme of Examination: The third BSMS examination shall consist of two parts.

	Hours	Marks
PART-I		
1. Noi Angua-Vithi-Ozhukkam etc. :		
Written	3	100
Oral	—	50
2. Noi Nadal, No. 1 Mudal Nadal etc. :		
Written	3	100
Oral	—	50
PART-II		
3. Nanju Nool-Maruthuva Neethi Nool :		
Written	3	100
Oral	—	50

MARKS QUALIFYING FOR A PASS: A candidate shall be declared to have passed Part I & II of the Third B.S.M.S. Examination if he obtains, (i) Not less than one 5—89 GI/86

half of the marks in the written and oral examinations taken together in each subject of Part I & II (ii). All other candidates shall be deemed to have failed in the Examinations.

EXEMPTION FROM RE EXAMINATION IN SUBJECT: Candidates who fail in the examination but obtain pass marks in any subject shall be exempted from re-examination in that subject.

FURTHER STUDY FOR FAILED CANDIDATES: Candidates who fail in Part I and part II of the Third B.S.M.S. Examination in any subject there of shall be required to put in an additional course of attendance for a period of which shall extend upto the next succeeding examination.

FOURTH OR FINAL B.S.M.S. EXAMINATION: A candidate before presenting himself for the Final B.S.M.S. Examination:—(a) Shall produce certificates of having passed First, Second & Third B.S.M.S. Examination.

(b) has been engaged in the study of the subject for three academic years extending for a period of 9 terms for each of the subject of (i) Siddha Maruthuvam (Pothu) (ii) Siddha Maruthuvam (Siddha) (iii) Siddha Aruvai Maruthuvam and Siddha Sool Maruthuvam etc. and produce relevant certificates there of.

COURSE OF EXAMINATION: The Course of Lectures and Clinical training for the final B.S.M.S. subject for examination will be :

- Maruthuvam (Pothu) (9 terms)
for 3 academic years—about 732 hours
- Maruthuvam (Sirappu) (9 terms)
for 1½ academic years—about 144 hours.
- Aruvai Maruthuvam (9 terms)
for 3 academic years—about 528 hours
- Sool Maruthuvam including Magalir Pillai pini Maruthuvam etc. (9 terms)
for 3 academic years—about 468 hours.

Scheme of examination for Final B.S.M.S. Examination shall be as follows :

- Maruthuvam (Pothu)

Written	3 hours	100 marks
Clinical examination consisting of		
(i) one long case for one hour &		
(ii) three short cases for half an hour		10 marks
Oral		50 Marks
- Maruthuvam (Sirappu)

Written	3 hours	100 marks
A clinical examination of a long case only	1 hour	100 marks
Oral	—	50 marks

PART-II

- Aruvai Maruthuvam :

Written	3 hours	100 marks
Aclinical examination of one long case (one hour and three short cases) for half an hour		100 marks
Oral	—	50 marks

2. Sool Maruthuvam etc. : .		
Written	3 hours	100 marks
Clinical examination of a long case for one hour and three short cases for half an hour	—	100 marks
Oral	--	50 marks

MARKS QUALIFYING FOR A PASS : A candidate shall be declared to have passed Part I & II of the Final B.S.M.S. Examination if he obtains (a) not less than one half of the marks in the written and oral examinations taken together in each subject of Part I and II and (b) not less than one half of the marks in clinical examination in each subject under Part I and II.

All the other candidates shall be deemed to have failed in the examination.

EXEMPTION FROM RE-EXAMINATION IN SUBJECT :

Candidates who fail in the examination but obtained pass marks in any subject shall be exempted from a re-examination in that subject.

FURTHER STUDY FOR THE FAILED CANDIDATES :

Candidates who fail in Part I and II of the Final B.S.M.S. Examination in any subject thereof shall be required to put in an additon course of attendance for a period which shall extend upto the next succeeding examination.

Candidates who have passed the final examination of B.S.M.S. shall prior to their admission to the Degree put in the internship under a recognised Medical Officer in a recognised hospital of Indian Medicine.

Such candidates shall before the award of the Degree produce a certificate of satisfactory completion of the student Internship.

SCHEDULE III

(See Regulation 7)

MINIMUM STANDARDS FOR KAMIL-E-TIB-O-JARAHAT COURSE

1. Aims and objects of Unani Education :

To produce competent Unani physicians who can handle all sorts of cases medical as well as surgical based on their extensive knowledge about the fundamental theories and the basic principles of the Unani systems of Medicine with modern advances where necessary. Such Unani Graduates shall be competent to serve in the medical and health services of the Country.

2. Admission qualification

Senior Secondary (12th std.)/Intermediate or equivalent oriental qualification. They will be eligible for admission to main five years course of B.U.M.S.

Or

S.S.L.C./Matriculation or equivalent oriental qualification to two years Pre-Tib Course.

NOTE : Preference shall be given to those who are proficient in Arabic or Persian.

The Pre-Tib Course of one year duration may also continue in the case of those state where 10-2 pattern of education has not yet been implemented.

3. Minimum age for admission :

- 15 years as on 1st October in the year of admission for first year of Pre-Tib Course.
- 16 years as on 1st October in the year of admission for Second year of Pre-Tib Course.
- 17 years as on 1st October in the year of admission for Main Unani Course.

4. Duration of Course

Pre-Tib Course	One year/two years
Main Course	Five years
Internship	Six months

5. Degree to be awarded after successful completion of Course Kamil-e-tib-o-Jarahat (Bachelor of Unani Medicine & Surgery)

6. Medium of instruction

Medium of instruction shall be Urdu substantiated with English wherever necessary. "Where Urdu knowing students are not available, facilities for teaching (including text-books) in Hindi or regional language may be provided and a change in the medium may be adopted.

Necessary modern advancements shall be incorporated in the course of studies. In such cases terminology shall be standard modern terminology with Arabic equivalent. For Unani, the terminology shall essentially remain the Unani terminology.

7. Number of lectures in Pre-tib. Course

Subject	Total number of lectures			
	Two years course		One year course	
	Theory	Practical	Theory	Practical
Tabiyat	300	80	200	50
Kimiya	300	80	200	50
Nabatiyat	200	50	125	30
Havaniyat	200	50	125	30
Arabic	250	—	125	—
Mantiq-o-Falsafa	100	—	50	—
English	250	—	125	—
Total	1600	260	950	160

Duration of lectures

The minimum duration for theory should be forty-five minutes and one hour for practicals.

Exemption for appearing in certain subjects

The students with oriental qualification should be exempted for appearing in subjects of Arabic and Mantiq-o-falsafa. Likewise, Matriculates and Higher Secondary passed students with English as one of their subjects should be exempted from appearing in the subject of English.

8. Subjects of Examination in Main Course

PRE CLINICAL

1st Year

1. TASHREEH
2. MANAFE-UL-AZA
3. UMOOR-E-TABEEYA
4. ILMUL ADWIA (KULIYAT-E-ADWIYA)

Examinations 3 and 4 theory

2nd Year

1. TASHREEH
2. MANAFE-UL-AZA
3. ILMUL-ADWIA (Mufradat)
4. Hifzane-SEHAT-O-Tahafceuzi-O-Samaji Tib

CLINICAL

3rd Year

1. TIBB-E-QANOONI-O-ILMUL SUMOOM
2. ILMUL AMRAZ-O-ILMUL JARASEEM

3. MOALEEJAT

4. I MUL-ADWIA (Murakkabat-o-Saidla)

5. SAREERIYAT (USOOL-E-TASHKEES-O-TAHWAFEEZ)
Examinations 1, 2, 4 & 5—theory and practical

4th Year

1. MOALEJAT JUL II

2. QABALAT-O-MUTALEEQA AMRAZ

3. AMRAZ-E-NISWAN-O-ATFAL

4. TARIKH-F-TIB

5. MATAB

Examinations 2 and 3 theory and practical 1 and 4 theory.

5th Year

1. MOALEJAT JUZ III

2. AMRAZ-E-AEN, UZN, ANAF, HALAQ-O-ASNAN

3. JARRAHYAT

4. MATAB

Examinations 2 and 3 theory and practical 1 and 4 practical.

SCHEME OF TEACHING

THE FOLLOWING SHALL BE ALLOCATION OF LECTURES FOR EACH YEAR AND SUBJECTS OF UNANI COURSE

1st Professional course

S. , Subjects No.	Theory	Practical	Total	
1	2	3	4	5
1. Tashreeh-ul-Badah . . .	100	75	175	
2. Munafe-ul-Aza . . .	120	30	150	
3. Umoor-e-Tabiya . . .	150	—	150	
4. Ilmul Adwia (Kulliyat-e- Adwia	150	—	150	
				625

2nd Professional Course :

1	2	3	4	5
1. Tashreeh-ul-Bad on . . .	100	75	175	
2. Munafe-ul-Aza . . .	120	30	150	
3. Ilmul-Adwia (Mufradat) . . .	125	75	200	
4. Hifz-e-Sehat, Tahafuz-o-Samaji Tib. (Hygiene, Preventive & Social medicine) . . .	125	25	150	

3rd Profesional Course :

1.	2	3	4
1. Ilmul-Adwia (Murakkabat-o-Saidla) . . .	100	100	200
2. Sarceriyat (Usool-e-Tashkhees-o-Elaj) . . .	100	100	200
3. Ilum Amraz (Ahwal, Asbab, Alamat-o-Ilmul-Jaraseem) . . .	150	50	200
4. Tibb-e-Qanooni-o-Ilmus Sumoom . . .	125	25	150
5. Moalejat Part I . . .	150	—	1500
			900

4th Professional course :

1	2	3	4	5
1. Ilmul-Quabalat-o-Mutaleeqa-Amraz . . .	100	*	100	
2. Moalejat Part-II . . .	100	*	100	
3. Amraz-e-Niswan-o-Atfal . . .	150	*	150	
4. Matab . . .	150	*	150	
5. Tareekh-e-Tib . . .	50	*	50	
			550	

5th (Final) Professional course :

1	2	3	4	5
1. Jarrahiyat . . .	100	*	100	
2. Moalejat Part-III . . .	150	*	150	
3. Matab . . .	150	*	150	
4. Amraz-e-Ain, Anaf, Uzan Halaq etc. . .	100	*	100	
			500	

Practical training in all those subjects will be in the outdoor and indoor Departments for a period not less than one month.

9. Scheme of Examination

There shall be six examinations called the pre-Tib. 1st, 2nd, 3rd, 4th & 5th Professional examinations respectively. Each of these six examinations shall be held twice a year ordinarily in the month of April/May and October/November.

Examinations prescribed for the professional courses may be conducted, as deemed necessary, by means of written papers, practical, clinical and oral tests, or by means of any combination of these methods.

SCHEME OF EXAMINATION

PRE-TIB COURSE

Subjects	Theory	Duration for each paper	Marks per paper	Practical		Viva Voce	Total	Total Marks		Grand Total Marks	of
	No. of Papers			Record Book	Practi- cal			Theory	Practical & Viva Voce		
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11		
1. Kinyas (Chemistry) . . .	1	3 Hours	100	1 Record Book	50	150	100	50	150		
2. Tabeezat (Physics) . . .	1	3 Hours	100	Do.	50	150	100	50	150		
3. Haiwaniyat (Zoology) . . .	1	3 Hours	100	Do.	50	150	100	50	150		
4. Nabtiyat (Botany) . . .	1	3 Hours	100	Do.	50	150	100	50	150		
5. Arabic . . .	1	3 Hours	100	—	—	—	100	—	100		
6. Mantiq-o-Falsafa-o-Ilmul- noh.	1	3 Hours	50	—	—	—	—	—	50		
7. English	1	3 Hours	150	—	—	—	—	—	150		
Total										900	

Ist Professional

1. Umoor-e-Tabiya	1	3 Hours.	100	—	50	50	100	50	150
2. Ilmul Adwia	1	3 Hours	100	—	50	50	100	50	150
Total									300

N.B. Out of the (50) marks allotted for practical (10) marks shall be for Record Book.

**SCHEME OF EXAMINATION
SECOND PROFESSIONAL**

Subjects	No. of papers	Theory		Practical		Vice Voce	Total	Total Marks		Grand Total of Marks
		Duration for each paper	Marks per Paper	Record Book	Practical			Theory	Practical & Viva	
1. Munafe-ul-Aza	1	3 hours	100	Record Book 20	50	30	100	100	100	200
2. Tashreeh-ul-Badan	1	3 hours	100	Record Book 20	50	30	100	100	100	200
3. Ilmul Adwia (Mufradat)	1	3 hours	100	Record Book 20	—	30	50	100	50	150
4. Hifze Sheat	1	3 hours	100	—	—	50	50	100	50	150
Total									700	

THIRD PROFESSIONAL

1. Ilmul Adwia (Murakkabat-o-Saidia)	1	3 hours	100	Record Book 20	50	30	100	100	100	200
2. Sareeriyat (Usool-e-Tashkhees-o-Blaj)	1	3 Hours	100	—	50	—	50	100	50	150
3. Ilmul-Amraz	1	3 hours	100	—	30	20	50	100	50	150
4. Tib-e-Qanooni-o-Ilm-e-Su-moom	1	3 hours	100	—		50	50	100	50	150
Total										650

SCHEME OF EXAMINATION**FOURTH PROFESSIONAL**

Subjects	No. of Papers	Theory		Marks per paper	Practical		Viva Voce	Total	Total Marks		Grand Total of Marks
		Duration for each paper			Record Book	Practical			Theory	Practical & Viva	
1. Ilm-ul-Qabalat-o-Mutalleqa-Amraz	1	3 hours	100	—	—	—	50	50	100	50	150
2. Tareekh-e-Tib	1	3 hours	100	—	—	—	—	—	100	—	100
3. Amraz-e-Niswan-o-Atfal	1	3 hours	100	—	—	50	50	100	100	50	200
									+ 50		450

FIFTH (FINAL PROFESSIONAL)

1. Jarrahlyat	1	3 hours	100	—	—	50	50	100	100	100	200
2. Moalejat	2	3 hours each	100	—	—	—	—	100	200	100	300
3. Amraz-e-Ain Anaf, Halaq etc.	1	3 hours	—	—	—	50	—	50	100	50	150
4. Matab	1	—	—	—	—	80	—	100	—	—	100
Total											750

15. QUALIFICATION PRESCRIBED FOR TEACHING STAFF :*Qualification of teachers**a. For Medical subjects***I. ESSENTIAL**

- (i) Degree/Diploma in Unani Medicine from a University established by law or a statutory board/faculty examining body of Indian Medicine or equivalent.
- (ii) Teaching experience in a recognised institution for ten years, five years, and three years for the post of Professor, Reader and Lecturer respectively.

II. DESIRABLE

- (i) Post-graduate qualification in Unani from a recognised institution/University established by law.
 - (ii) Original published papers/books on the subject.
- b. For subjects of Basic Sciences*
M.Sc. first or second class in respective subjects.
- c. For Arabic subjects and Mantiq-o-falsafa*
Fazil in Arabic with Mantiq-o-falsafa or equivalent.
- d. For English*
M.A. first or second class in English.

